केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 337 सोमवार 1 जुलाई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

पेपर लीक मामले में ओपी राजभर के विधायक बेदी राम ने तोड़ी चुप्पी

लखनऊ (आभा)। ओपी राजभर की पार्टी सुभासपा के विधायक बेदी राम ने पेपर लीक को लेकर वायरल अपने वीडियो पर चुप्पी तोड़ी है। बेदी राम ने कहा कि वीडियो को फेक बताते इसकी ठीकरा विपक्ष पर फोड़ा है। कहा कि बदनाम करने के लिए एडिट किया गया वीडियो विपक्ष के लोग चला रहे हैं। विधायक ने कहा कि विपक्ष के लोग मेरी छवि को धूमिल करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। पेपर लीक मामलों में दो बार जेल जा चुके बिहार के पटना निवासी बिजेन्द्र गुप्ता ने सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के जखनिया से विधायक बेदी राम का नाम लेते हुए उन्हें उत्तर प्रदेश में पेपर लीक का माफिया बताया था। इसके बाद विधायक बेदी राम का

एक वीडियो वायरल हुआ। इस वीडियो में वह पेपर लीक से जुड़ी बातचीत कर रहे हैं। वीडियो में वह रुपये लेकर भर्ती कराने की बात करते हुए दिखाई पड़ रहे हैं। वीडियो में कह रहे हैं कि मैं एक बार में 40–40 लोगों की भर्ती कराता हूं।

पेपर लीक के मामले में पहले जेल भी जा चुके गाजीपुर की जखनिया सीट से विधायक बेदी राम वीडियो वायरल होने के बाद चौतरफा घिर गए हैं। यहां तक कि उनकी पार्टी सुभासपा के प्रमुख ओपी राजभर का भी एक वीडियो इसी के बाद सामने आ गए। इसमें राजभर भी बेदी राम को जुगाड़ से नौकरी दिलाने वाला बता रहे हैं। बेदी राम ने अपने वीडियो को फेक बताया। उन्होंने कहा कि यह एक पुराना वीडियो है।

कहा कि वीडियो में पैसे के लेनदेन की बात हो रही है। लेकिन इस समय उसे एडिट करके पेपर लीक से जोड़ते हुए चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह मुझे बदनाम करने की विपक्ष के लोगों की साजिश है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक मामले की जांच प्रदेश सरकार की कई एजेंसियां कर रही हैं यदि कोई भी मामला होगा तो वह सामने आ जाएगा।

जखनियां विधायक बेदी राम की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। अब सोशल मीडिया पर एक और पेपर वायरल हो रहा है जिसमें विधायक बेदी राम की जौनपुर जिले के जलालपुर थाने में 2022 में हिस्ट्रीशीट खोली गई है। वहां उनकी हिस्ट्रीशीट 17ए पर दर्ज है। साल 2022 में तत्कालीन पुलिस अधीक्षक अजय साहनी ने इनकी हिस्ट्रीशीट खोली थी। हिस्ट्रीशीट में विधायक को नकल माफिया बताते हुए यह भी लिखा गया है कि उनके पास दो ईंट भट्टे भी हैं।

वर्तमान में सुभासपा से जखनियां से विधायक बेदी राम पर वर्ष 2006 में रेलवे में भर्ती का प्रश्नपत्र लीक करने के आरोप में गैंगस्टर एक्ट लगाया गया था। 2008 में एक इसी तरह का मामला लखनऊ के गोमती नगर में दर्ज हुआ। 2010 में पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर लीक करने के आरोप में बेदी राम के खिलाफ जौनपुर के मड़ियाहूं में एफआईआर दर्ज की गई थी।

केदारनाथ में भर–भराकर नीचे आ गया बर्फ का पहाड़: सहमे लोग

रुद्रप्रयाग (आभा)। उत्तराखंड का मौसम बदला हुआ है। इस दौरान केदारनाथ से एक भयावह तस्वीर सामने आई है। यहां गाधी सरोवर के ऊपर हिमस्खलन हुआ और बर्फ का पहाड़ देखते ही देखते भरभराकर नीचे आ गया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। अभी तक मिली जानकारी के अनुसार, किसी तरह के जान–माल के नुकसान की खबर नहीं है।

घटना रविवार की है। जब यह घटना हुई तो केदारनाथ मंदिर के पास से किसी ने कैमरे में रिकॉर्ड कर ली। यहां बर्फ से ढका पहाड़ अचानक भरभराकर कर गिरता हुआ साफ देखा जा सकता है। बर्फ से ढके पहाड़ के दरकने के कारण वहां दर्शन करने आए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। सबकी नजरें दरकते हुए पहाड़ की तरफ ही लगी हुई थीं।

घटना उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले की है। यहां केदरानाथ मंदिर के नजदीक गांधी सरोवर के ऊपर यह हादसा हुआ। इस घटना की जानकारी देते हुए रुद्रप्रयाग के एसएसपी डॉ. विशाखा अशोक भदाने ने बताया कि घटना सुबह 5 बजे की है। यहां केदारनाथ में गांधी सरोवर के ऊपर हिमस्खल का मामला सामने आया है। उन्होंने अपडेट देते हुए बताया कि इस घटना में किसी भी तरह की जान या माल का नुकसान नहीं हुआ है।

ऊंचाई पर स्थित पहाड़ ज्यादातर इलाकों में बर्फ से ढके रहते हैं। कई बार अलग–अलग वजहों से पहाड़ों के ऊपर ढकी बर्फ अचानक से नीचे की तरफ तेजी से गिरने लगती है। इस घटना को हिमस्खलन कहा जाता है। इस दौरान बर्फ के तेजी से नीचे गिरने के कारण तेज आवाज भी आती है। कई बार ऐसी घटनाओं में लोगों की दबने से मौत हो जाती है।

बता दें कि इस महीने की शुरुआत में केदारनाथ आने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली थी। पहले हफ्ते तक लगभग 6 लाख श्रद्धालुओं ने यहां पहुंचकर दर्शन किया। इस बारे में जानकारी देते हुए रुद्रप्रयाग जिले के मजिस्ट्रेट ने बताया कि 10 मई से लेकर अबतक 7 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री इस 11वें ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने आ चुके हैं।

सितंबर और अक्टूबर 2022 में भी यहां तीन बार हिमस्खलन हुआ था। वहीं, 2023 में मई और जून में चौराबाड़ी से लगे कंपेनियन हिमनद में पांच बार हिमस्खलन की घटनाएं दर्ज की गईं। उस समय भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान और वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान के वैज्ञानिकों ने इस क्षेत्र का स्थलीय और हवाई सर्वेक्षण कर पूरी स्थिति का जायजा लिया था। वैज्ञानिक दल ने तब हिमालय क्षेत्र में इन घटनाओं को सामान्य बताया था, लेकिन उन्होंने केदारनाथ मंदिर क्षेत्र में सुरक्षा को और बेहतर बनाने पर जोर दिया था।

एक नजर

रोटरी को मिला योगदान के लिये पुरस्कार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रोटरी अंतर्राष्ट्रीय के मंडल 3120 के सत्र समापन पर बनारस में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किए गए जिसमे मंडल 3120 के सभी क्लब उपस्थित हुए। समारोह में रोटरी के महान उद्देश्यों को पूर्ण करने वाले क्लबों को वरीयता के आधार पुरस्कृत किया गया । रोटरी क्लब बस्ती मिडटाउन को कुल सोलह पुरस्कार मिले जिसमे अध्यक्ष, सचिव, क्लब सर्विसेज, कम्यूनिटी सर्विसेज, डिस्ट्रिक्ट इवेंट क्लब सिल्वर अवार्ड, अवार्ड फॉर ऑनर लिट्रेसी इत्यादि दिए गये।

इस अवसर पर क्लब के मंदलाध्यक्ष रो सुनील बंसल ने कहा कि रोटरी में समापन जैसा कुछ नही यहां हर दिन एक नई शुरुआत है।

दूरभाष पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए डॉक्टर रमेश चंद्र ने कहा कि हर क्षेत्र में पुरस्कृत होने का मतलब है कि हमारा क्लब निरंतर सामाजिक कार्यों में आगे बढ़ रहा है। अध्यक्ष रो0 देवेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि यह पुरस्कार हमारी एकजुटता व साहचर्य का परिणाम है जिसके कारण हमारे क्लब के कार्यों को रेखांकित करते हुए अनेकों पुरस्कार मिले हैं।

बधाई देने वालों में डा0 अश्वनी कुमार सिंह, डा0 के के सिंह, डा0 जगदीश्वर प्रसाद सिंह ओम जी, डा0 डी के गुप्ता, मयंक श्रीवास्तव, पुनीत पांडेय, महेंद्र सिंह, प्रमोद गाड़िया, सतीश सिंहल, सत्येंद्र पाल सिंह, संयम अरोड़ा, आशीष श्रीवास्तव, अनिल पांडेय, रामविनय पांडे, डा0 अजीत प्रताप सिंह, उमेश चंद्र श्रीवास्तव, आनंद गोयल, मनोज अग्रवाल, विवेक वर्मा, सतीश सिंघल, प्रमोद गाडिया, अरुण भानरामका, आदि शामिल रहे

किशोरी से गैंगरेप मामले में 4 पर मुकदमा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कप्तानगंज थानाक्षेत्र में एक 14 वर्षीया किशोरी के साथ गैंगरेप की घटना सामने आई है। पुलिस ने पीड़िता के दादा की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ धमकी देकर गैंगरेप करने का केस दर्ज किया है।

तहरीर के मुताबिक उसकी पोती को पैकोलिया थानाक्षेत्र के आमा गांव निवासी कृपाशंकर, रामलक्ष्मण और लल्लन ने जबरन मुंह दबाकर एक गाड़ी में बैठा लिया और नदी के किनारे एक सूनसान जगह पर ले जाकर उसके साथ बारी–बारी से दुष्कर्म किया। भद्दी–भद्दी गालियां देकर जान से मारने की धमकी देकर तीनों भाग गए। अदालत के आदेश पर मामला दर्ज कर लिया गया है। गौरतलब है कि इस मामले में कप्तानगंज पुलिस अभी तक खाली हाथ हैं।

लोस प्रत्याशी 4 जुलाई तक जमा करा दें व्यय लेखा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिला निर्वाचन अधिकारी रवीश गुप्ता व व्यय प्रेक्षक आर.एल. अरुण प्रसाद की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार मे निर्वाचन व्यय लेखा समाधान बैठक आयोजित की गई। जिसमें राजनीतिक दलों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे बैठक में निर्देश दिया गया कि आगामी 4 जुलाई तक कोषागार कार्यालय बस्ती में अनिवार्य रूप से व्यय लेखा जांच कराकर निर्वाचन कार्यालय में जमा कर रसीद प्राप्त कर ले उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि प्रत्याशी द्वारा व्यय लेखा समय से दाखिल नहीं किया जाता है तो नोटिस जारी किया जाएगा व स्पष्टीकरण मांगा जाएगा।

बैठक मे मुख्य कोषाधिकारी अशोक कुमार प्रजापति,समस्त व्यय लेखा टीम, समस्त सहायक व्यय प्रेक्षक सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सभाली भारतीय सेना की कमान

नई दिल्ली (आभा)। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने रविवार को भारतीय सेना की कमान संभाल ली है। जनरल मनोज पाण्डेय ने आज अपनी सेवानिवृत्ति के बाद भारतीय सेना की कमान जनरल उपेन्द्र द्विवेदी को सौंप दी, जिन्होंने अपना नया पदभार संभाल लिया। केंद्र सरकार ने जून में उन्हें चीफ ऑफ आर्मी स्टॉफ के तौर पर नियुक्ति दी थी। इससे पहले वह फरवरी में उप सेना प्रमुख थे। भारतीय सेना के 30वें प्रमुख जम्मू और कश्मीर राइफल्स से संबंध रखते हैं और उन्हें चीन और पाकिस्तान से सटी सीमाओं पर कार्य करने का व्यापक अनुभव है। बता दें कि जनरल द्विवेदी ने 13 लाख जवानों वाली सेना की कमान ऐसे समय में संभाली है जब भारत चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चुनौतियों समेत कई सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है।

विश्वकप जीतने के बाद विराट कोहली, रोहित शर्मा, जड़ेजा ने टी 20 क्रिकेट को अलविदा कहा

नई दिल्ली (आभा)। भारत ने 11 साल के आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को खत्म करते हुए दक्षिण अफ्रीका को बेहद रोमांचक मैच में सात रन से हराकर टी20 विश्व कप जीत लिया। पिछले साल 19 नवंबर को अहमदाबाद में अधूरा रहा सपना आखिरकार वेस्टइंडीज में पूरा हुआ तो रोहित शर्मा की टीम के साथ टीवी के आगे नजरें गड़ाए बैठे भारतीय क्रिकेटप्रेमियों की आंखों में आंसू आ गए। भारत ने 17 साल बाद टी20 विश्व कप का खिताब जीता है।

जीत के नायक रहे विराट कोहली , रोहित शर्मा और रविन्द्र जड़ेजा ने टी20 विश्व कप ट्रॉफी जीत के साथ ही टी20 क्रिकेट को अलविदा भी कह दिया।

पति सास–ससुर, देवर पर लगाया हत्या का आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दुबौलिया थानाक्षेत्र के देवनाथपुर गांव में 27 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में मृतका की मां फूलादेवी ने बेटी के पति, सास, ससुर और देवर पर दहेज को लेकर हत्या का आरोप लगाया है। दुबौलिया थानाध्यक्ष चन्द्रकांत पाण्डेय ने बताया की मृतका की मां ने तहरीर दी है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट अभी प्राप्त नहीं हुआ है। जांच पड़ताल कर दोषियों के खिलाफ केस दर्ज किया जाएगा। मृतक अनीता की मां ने पुलिस को दिए प्रार्थना–पत्र में आरोप लगाया है की अपनी बेटी की शादी 22 मई वर्ष 2017 में देवनाथपुर गांव निवासी दीपक के साथ किया था। शादी के बाद से ही ससुराल वाले दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे। इसको लेकर कई बार सभी को समझाया गया। 27 जून को मेरी बेटी को मारपीट कर फंदे पर लटका दिया।

बैड़वा समयमाता मंदिर में रखी दान पेटी का ताला तोड़कर चोरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अलग–अलग स्थानों पर मंदिर, स्कूल और घरों में चोरी की घटनाएं सामने आई हैं। जिले के सोनहा थानाक्षेत्र में चोरों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि अब वे घरों, स्कूलों के बाद मंदिर को भी निशाना बनाने लगे हैं। इलाके की सुप्रसिद्ध बैड़वा समयमाता मंदिर में रखी दान पेटी का ताला तोड़कर हजारों रुपये चोरों ने उड़ा लिए।

मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में एक व्यक्ति ताला तोड़ते हुए दिख रहा है। नंगे बदन व चेहरे शर्ट उतार कर उसी से ढक रखा था।

पुजारी की सूचना पर स्थानीय पुलिस छानबीन में जुटी है। एसएचओ उपेन्द्र मिश्र के मुताबिक समयमाता के मंदिर के दानपेटी को तोड़कर उसमें से दान के लगभग 1500 हजार रुपये चुरा ले गए। शनिवार की सुबह पुजारी जब मंदिर में पहुंचे तो देखा मंदिर में रखे दो दानपेटियों का ताला टूटा था। एसएचओ के बताया कि अभी तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। सूचना मिलने के बाद सीसीटीवी फुटेज के आधार मामले की जांच–पड़ताल की जा रही है।

चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा एसआरडी हॉस्पिटल– हरीश द्विवेदी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयः की भावना के साथ चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में एक और बड़ा नाम एस आर डी हॉस्पिटल के रूप में जुड़ा।

एस आर डी हॉस्पिटल व निःशुल्क चिकित्सा एवं जांच शिविर का उद्घाटन बस्ती लोकसभा क्षेत्र के निर्वतमान सांसद हरीश द्विवेदी व देवरिया के विधायक शलभमणि त्रिपाठी तथा एस.पी. ग्रुप के संस्थापक एवं संरक्षक एस.पी. दूबे ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया।

इसके बाद शुभारम्भ के अवसर पर आयोजित निःशुल्क चिकित्सा एवं जाँच शिविर के साथ अस्पताल का निरीक्षण किया।

निरीक्षण में भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र, नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा ने भी अवलोकन किया।

इस अवसर पर हरीश द्विवेदी ने कहा कि बस्ती मण्डल में आटोमोबाइल्स जगत के सबसे बड़े समूह एस पी ग्रुप द्वारा व्यापार और शिक्षा के साथ अब चिकित्सा सेवा क्षेत्र में भी एक नई ऊंचाई प्राप्त करेगी। यह हास्पिटल मरीजों को बेहतर व सामान्य शुल्क में सुविधा देने के साथ उनके लिए वरदान भी साबित होगा। विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि चिकित्सक भगवान का रूप होता है और अस्पताल खोलना एक सेवा कार्य है मुझे पूरा विश्वास है कि यह अस्पताल जनपदवासियों व गरीबों के इलाज में यह काफी सहायक होगा। अस्पताल के निदेशक डॉ रोहन दूबे ने कहा कि अस्पताल में मरीजों को बेहतर सुविधा दी जाएगी। अस्पताल में डॉ के के दूबे, जनरल सर्जन डा. विवेक सिंह , स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डा. के मिश्रा, जनरल फिजिशियन डा.अश्विनी शुक्ल के द्वारा मरीजों का इलाज किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि अस्पताल में मेडिकल, स्टोर, ओ टी, पैथालॉजी, आई सी यू, एन आई सी यू , एम्बुलेंस की सुविधाएं उपलब्ध हैं। एस पी ग्रुप के निदेशक अखिलेश दूबे व आशीष दूबे ने कहा कि बड़े भाई स्व श्री राजेश दूबे जी के स्मृति में शुरू हुए इस अस्पताल का उद्देश्य लोगों को सामान्य शुल्क में अच्छी चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराना है।

इस अवसर पर डॉ अश्विनी सिंह, डॉ प्रमिला सिंह, कर्नल के सी मिश्र, सरदार प्रीतिपाल सिंह, अजय सिंह गौतम, दयाशंकर मिश्र, उदयभान सिंह, भूपेंद्र चौधरी, कैलाश नाथ दूबे, सुशील मिश्र, सीपी मिश्र, रवि चौधरी, श्याम जी चौधरी, डॉ संजय द्विवेदी, राकेश दूबे जे डी, अमरमणि पांडेय, चंद्रिका सिंह, देवेंद्र श्रीवास्तव, विनोद शुक्ल, गोपेश्वर त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

मनोज कुमार ने संभाला यूपी के नए मुख्य सचिव पदभार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

लखनऊ (आभा)। मनोज कुमार सिंह ने रविवार को दुर्गा शंकर मिश्रा की जगह यूपी के नए मुख्य सचिव का कार्यभार ग्रहण कर लिया। कार्य भार ग्रहण करने से कुछ घंटे पहले ही मनोज कुमार के नाम का ऐलान किया गया था। टीएम योगी का अहम चेहरा मनोज कुमार सिंह की गिनती 'परफॉर्मर' के रूप में होती है। सीएम योगी के मंत्री 'डिलीवरी ऑन टाइम' के मंत्र को मनोज कुमार ने एक तरह से आत्मसात किया है। मनोज कुमार 'कुंभ से लेकर कोविड' और 'एग्रीकल्चर से लेकर इंडस्ट्री' तक योगी के विजन को साकार किया है। 2019 कुंभ में नोडल अधिकारी बनाए गए थे।

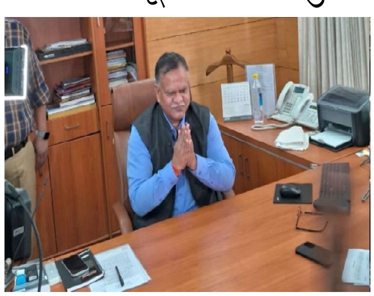

वर्तमान में प्रदेश के कृषि उत्पादन आयुक्त और अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त जैसे नीतिगत विषयों से जुड़े दो अति महत्वपूर्ण पदों का दायित्व निर्वहन कर रहे मनोज कुमार सिंह अपर मुख्य सचिव पंचायती राज, खाद्य प्रसंस्करण, यूपीडा और उपशा के चेयरमैन तथा पिकप अध्यक्ष जैसे प्रदेश के विकास को गति देने वाले अति वरिष्ठ पदों की जिम्मेदारी भी निभा रहे हैं। कोविड काल में पहले टीम 11 और फिर टीम 9 में शामिल मनोज कुमार सिंह ने गांवों में कोविड प्रसार को नियंत्रित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

2017 में मुख्यमंत्री बनने के बाद योगी आदित्यनाथ ने सबसे पहले ब्यूरोक्रेसी में कुछ ऐसे अधिकारियों को चिन्हित किया, जिनमें अनुभव और दक्षता तो हो ही। सत्यनिष्ठा के साथ–साथ कार्य करने के प्रति जीवटता और जुझारूपन भी हो। ऐसे अफसरों की एक टीम बनाई। कड़ी परीक्षा के बाद बनी इसी श्टीम योगीश के अहम सदस्य मनोज कुमार सिंह भी हैं।

1988 बैच के आईएएस अधिकारी मनोज कुमार सिंह की पहचान 'परफॉर्मर' की रही है। सीनियर मोस्ट अधिकारी के रूप में अनुभव, दक्षता, कर्तव्यपरायणता, डिलिवरी देने की क्षमता, कॉम्पिटेंसी के साथ मनोज कुमार सिंह ने ब्यूरोक्रेसी में प्रतिष्ठित नाम कमाया है। यही कारण है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने अब तक के कार्यकाल में मनोज कुमार सिंह पर लगातार भरोसा जताया है।

बैंकिंग एट योर डोर की परिकल्पना को साकार करने वाली मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 'बीसी सखी' योजना आज पूरे देश में मॉडल के रूप में स्वीकारी जा रही है। इसकी रूपरेखा तैयार करने से लेकर क्रियान्वयन तक मनोज कुमार सिंह का बड़ा योगदान है। यह एक योजना महिला स्वावलम्बन और वित्तीय समावेशन का अद्भुत उदाहरण बन कर राष्ट्रीय पटल पर प्रशंसा पा रही है।

2019 के दिव्य–भव्य कुंभ को ग्लोबल इवेंट बनाने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों को सफल बनाने में मनोज कुमार सिंह की बड़ी भूमिका है। बतौर नोडल अधिकारी कुंभ–2019 से जुड़ी हर एक तैयारी, इन्हीं के नेतृत्व में क्रियान्वित हुई। अब इस बार मुख्य सचिव के रूप में महाकुंभ 2025 के सफलतापूर्वक आयोजन में इन्हीं अनुभवों का लाभ मिलेगा। अपर मुख्य सचिव पंचायती राज के रूप में मनोज कुमार सिंह ने सीएम योगी के मिशन को धरातल पर उतारा। आज उत्तर प्रदेश के सभी 75 जनपद खुले में शौच से मुक्त घोषित हैं और सबसे ज्यादा शौचालय उत्तर प्रदेश में बनाये गए तो इसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका इन्हीं की है।

प्रशिक्षण देकर स्वालम्बी बनाना ग्रुप डेवलपमेन्ट फाउन्डेशन का उद्देश्य- काशीनाथ मौर्या

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । ग्रुप डेवलपमेन्ट फाउन्डेशन के अध्यक्ष काशीनाथ मौर्या ने रविवार को डमरूआ स्थित संस्था के कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में बताया कि फाउन्डेशन द्वारा गांव और शहर के युवक युवतियों को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने के लिये अनेक योजनायें चलायी जा रही है। युवक युवतियों को फाउन्डेशन का सदस्य बनाने के लिये सभी ब्लाकों में ब्लाक सुपरवाइजर और महिला संगिनी के द्वारा संस्था द्वारा दिये गये सिनेटरी पैड़, डिटर्जेट पाउडर, हेल्थ टानिक, कैलशियम आदि का वितरण कराया जाता है।

फाउन्डेशन के अध्यक्ष काशीनाथ मौर्या ने ब्लाक सुपरवाइजर और महिला संगिनी के साथ हुई बैठक में बताया कि फाउन्डेशन कम्पनी एक्ट में पंजीकृत होने के साथ ही आवाहन संस्था से सम्बद्ध है। संस्था का मूल उद्देश्य महिलाओं, गरीबों को प्रशिक्षण देकर सशक्त बनाने के साथ ही उन्हें स्वरोजगार से जोड़ना है। बाल विकास एवं महिला सशक्तीकरण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। वर्तमान में सदस्य संस्था से जुड़े हैं और जनपद के सभी 14 विकास खण्डों के लगभग 200 ग्राम पंचायतों में लक्ष्य के अनरूप कार्य किया जा रहा है। संस्था द्वारा कराये जा रहे कार्यों की जानकारी जिलाधिकारी और सभी खण्ड विकास अधिकारियों को दिया गया है। अध्यक्ष काशीनाथ मौर्या ने बताया कि फाउन्डेशन की बढ़ती गतिविधियों को लेकर कुछ लोग भ्रम पैदा कर रहे हैं जो पूरी तरह से निराधार है। फाउन्डेशन कम्पनी एक्ट के नियमों का पूरी तरह से पालन करते हुये निरन्तर सेवा कर रही है और किसी भी सदस्य के साथ कोई धोखाधड़ी नहीं किया गया है। यदि संस्था से जुड़े किसी सदस्य को कोई असुविधा होती तो वे संस्था से शिकायत करते। बैठक में ब्लाक सुपरवाइजर और महिला संगिनी ने कहा कि फाउन्डेशन से उन्हें कोई शिकायत नहीं है। संस्था द्वारा निर्धारित मानदेय उन्हें प्राप्त हो रहा है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 1 जुलाई 2024 सोमवार

सम्पादकीय

भाजपा का अन्तर्द्वंद

उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव में मिली हार को भाजपा पचा नहीं पा रही है। विसंगति ही है कि इसके लिये एक धड़ा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जिम्मेदार बता रहा है जबकि टिकट वितरण में उनकी कोई विशेष भूमिका नहीं थी। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में सीटें कम मिलने के कारण भाजपा बहुमत का आंकड़ा पार नहीं कर पाई। इसके बारे में कई तरह की बातें कही जा रही हैं। दरअसल प्रदेश और देश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बढ़ती लोकप्रियता से उनके मंत्रिमंडल के ही कुछ लोग काफी परेशान हैं। इन मंत्रियों की मुख्यमंत्री बनने की लालसा भी हिलोरें मार रही है। जाने—अनजाने में कुछ केन्द्रीय नेताओं का भी इन्हें संरक्षण मिल रहा था। ये लोग नहीं चाहते थे कि योगी की लोकप्रियता बढ़े। इसलिए लोकसभा के चुनाव में भाजपा को जिताने और बढ़ाने में इनकी कोई विशेष सक्रियता भी दिखाई नहीं पड़ी।

अब पार्टी संगठन एक टास्क फोर्स बनाकर इसके कारणों की छानबीन कर रहा है। प्रदेश में भाजपा की सीटें घटने के कई कारण बताए जा रहे हैं। पहला कारण दो बार लगातार चुनाव जीतने वाले सांसदों का अपने—अपने क्षेत्र में भाजपा के कार्यकर्त्ताओं के साथ—साथ जनता से सम्पर्क टूट गया था। यदि आप सांसद या विधायक हैं तो आपको अपने क्षेत्र का बराबर दौरा करना चाहिए। लोगों के दु:ख दर्द में शामिल होना चाहिए। उनकी समस्याएं जाननी चाहिएं। जनता 'आप' से यही अपेक्षा करती है। ये लोग मोदी और योगी के सहारे चुनाव जीतने की उम्मीदें लगाए बैठे थे, इसलिए अपने क्षेत्रों में जनता से सम्पर्क साधने की जरूरत नहीं समझी। ये लोग अपने घर पर ही ठेका—पट्टा पाने वालों का दरबार लगाते रहे। ऐसे लोगों को दोबारा टिकट देने वाले नेता भी अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते हैं। दूसरा बड़ा कारण भाजपा प्रदेश और जिला संगठन भी जनता से दूर हो गया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कितने जिलों में संगठन को मजबूत करने के लिए कितनी बार दौरा किया, इसका कोई ब्यौरा पार्टी संगठन के पास नहीं है। प्रदेश पार्टी का आई.टी. सैल पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है। ब्राह्मणों—ठाकुरों को लड़ाया गया, दलितों और पिछड़ों को भरमाया गया। इनके जरिए आरक्षण खत्म करने से लेकर संविधान बदलते तक की बातें तक कही गईं। जिसका प्रदेश भाजपा का आई.टी. सैल कोई जवाब नहीं दे पाया। हर लोकसभा और विधानसभा चुनावों से 6 महीने पहले ही मतदाता सूची का पोलिग, बूथ स्तर पर संशोधन और परिवर्धन होता है। यदि भाजपा संगठन के कार्यकर्त्ता अपने—अपने पोलिंग बूथों पर सक्रिय रहते तो हजारों भाजपा समर्थकों के नाम मतदाता सूची से नहीं कटते। कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी का गारंटी कार्ड का फार्म खासतौर अल्पसंख्यक, अशिक्षित और निर्धन महिलाओं से भरवाया गया। उन्हें डर था कि 3 तलाक के मामले खत्म करने के कारण ये महिलाएं भाजपा को वोट दे सकती हैं। काट के लिए पार्टी स्तर पर कोई प्रयास नहीं किया गया। प्रमुखों की तमाम जिलों में फर्जी सूची बनाई गई जो वास्तव में कहीं थे ही नहीं।

बहरहाल पार्टी संगठन इस हार की समीक्षा के लिए बनाई गई टास्क फोर्स की सूचनाओं का इंतजार कर रही है। पर यहां सवाल यह उठता है कि क्या कोई संगठन खुद अपनी कमियों को स्वीकार करेगा? इस टास्क फोर्स के काम के लिए दूसरे राज्यों के लोगों को लगाया गया होता तो शायद सही जानकारी सामने आती। लोकसभा चुनाव में भाजपा को उत्तर प्रदेश में 2019 में उसे जहां 62 सीटें मिली थीं, वहीं 2024 के आम चुनाव में 33 पर संतोष करना पड़ा है। भाजपा उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में 29 सीटें कम मिलने की पूरे देश में चर्चा है। अब पार्टी भी इस पर मंथन में जुटी है और पूरा फीडबैक लेने के बाद कुछ एक्शन हो सकता है। भाजपा को सबसे ज्यादा हैरानी अमेठी, फैजाबाद (अयोध्या वाली सीट), बलिया और सुल्तानपुर जैसी सीटों पर हार से है। इन सीटों को भाजपा के लिए मजबूत माना जाता था। अमेठी में स्मृति ईरानी की कांग्रेस के एक आम कार्यकर्त्ता से हार ने पूरे नरेटिव को चोट पहुंचाई है।

इसके अलावा अयोध्या की हार भी कान खड़े करने वाली है। सुल्तानपुर से मेनका गांधी भी चुनाव हार गईं जो लगातार जीतती रही हैं। फिर अयोध्या की हार ने तो पूरे नरेटिव को ही चोट पहुंचाई है। भाजपा को उस सीट पर हारना पड़ गया, जहां ऐतिहासिक राम मन्दिर बना है। 500 सालों के इतिहास का चक्र जिस अयोध्या में घूमा, वहां ऐसी हार ने भाजपा को हैरान कर दिया है। अब पार्टी पूरे नरेटिव को कैसे सैट करे और अपनी हार को कैसे पचाया जाए, इसकी तैयारी में जुटी है। सूत्रों का कहना है कि भाजपा को आर.एस.एस. और उसके अनुषांगिक संगठनों से भी फीडबैक मिलेगा। संघ के लोगों से भी कहा गया है कि वे समीक्षा करके बताएं कि हार के क्या कारण रहे। उत्तर प्रदेश ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। ये चुनाव नतीजे प्रदेश सरकार के मंत्रियों के लिए सबक है। मंत्रियों को भाजपा के कार्यकर्त्ताओं और जनता के सम्पर्क में रहना चाहिए और उनकी जनहित की समस्याओं का समाधान करते रहना चाहिए। यदि वे ऐसा नहीं करेंगे तो आगामी विधानसभा के चुनाव में उनका और पार्टी का चुनाव जीतना मुश्किल हो जाएगा।

टूटी—फूटी सड़कों पर टोल—टैक्स क्यों ....?

—ललित गर्ग—

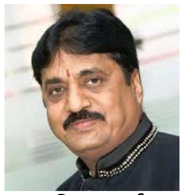

नियंत्रण से बाहर होती हमारी व्यवस्था हमारे लोक—जीवन को न केवल अस्त—व्यस्त कर रही है, बल्कि आहत, पीड़ित एवं परेशान भी कर रही है। ऐसी अनेक सुविधाएं हैं जो सरकार के द्वारा जनता के लिये उपलब्ध कराई जाती है, इसके लिये सरकार टैक्स वसूलती है। बेहतर सेवाओं के नाम पर सरकारें कई तरह के शुल्क वसूलती है, इसमें कोई आपत्ति एवं अतिश्योक्ति नहीं है। लेकिन सेवाएं बेहतर न हो फिर भी उनके नाम पर शुल्क या कर वसूलना आपत्तिजनक एवं गैरकानूनी है। यह एक तरह से आम जनता का शोषण है, धोखाधड़ी है। राजमार्ग एवं अन्य मार्गों पर बेहतर एवं सुविधाजनक सड़कों के नाम पर एजेंसियों द्वारा टोल टैक्स वसूला जाता है, लेकिन विडम्बना एवं त्रासदी यह है कि टूटी—फूटी सड़कों के नाम पर भी टोल वसूला जाता है, जो अन्यायपूर्ण एवं आपत्तिजनक है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के हालिया बयान में जनता के इस बड़े होते दु:ख, धोखाधड़ी एवं शोषण पर न केवल दु:ख जताया बल्कि ऐसी जबरन की जा रही वसूली को रोकने के लिये अधिकारियों को चेताया है। अपनी बात को बेबाकी से कहने वाले नितिन गडकरी ने अधिकारियों को दो टूक शब्दों में कहा कि यदि सड़कें अच्छी हालत में न हों और लोगों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हो, तो राजमार्ग पर एजेंसियों द्वारा टोल टैक्स वसूलने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि टोल टैक्स वसूलने से पहले हमें अच्छी सेवाएं देनी चाहिए। लेकिन हम अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिये टोल टैक्स वसूलने की जल्दी में रहते हैं। रोड टैक्स का उपयोग राज्य के भीतर सड़कों के रखरखाव और विकास के लिए किया जाना चाहिए न कि सरकार की आमद को बढ़ाने के लिये। ऐसे अनेक उदाहरण है कि बिना सुविधा एवं आवश्यकता के भी टोल टैक्स वसूला जा रहा है। राज्य सरकारें भी स्वतंत्र रूप से टोल वसूलती है। दूसरी ओर, टोल टैक्स एक उपयोगकर्ता शुल्क है जिसे वाहन मालिकों को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण या निजी ठेकेदारों को कुछ टोल सड़कों, जैसे राष्ट्रीय राजमार्ग, एक्सप्रेसवे, पुल और सुरंगों का उपयोग करने के लिए देना पड़ता है। जो अन्य सड़कों की तुलना में इन सड़कों को उच्च गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की माना जाता है। निश्चित रूप से केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सड़क—क्रांति की है बल्कि व्यवस्था की खामियों को सुधारने के भी सराहनीय प्रयास किये हैं।

किसी देश को विवेकपूर्ण, बेहतर सुविधाओं एवं विकास के नये मानकों के साथ चलाने के लिए सरकार को पात्र नागरिकों से बेहतर सुविधाओं के लिये कर एकत्र में कोई ऐतराज नहीं हैय लेकिन सड़कें हो या अन्य सुविधाएं, अच्छी नहीं होने पर भी टोल टैक्स या अन्य टैक्स वसूलने पर उपभोक्ता स्वयं को ठगा हुआ एवं शोषित महसूस करता है, जिसके कारण टोल टैक्स या अन्य टैक्स वसूलने वाली एजेन्सियों के खिलाफ शिकायतें बढ़ती जा रही है। टोल टैक्स प्रणाली सरकार या निजी ठेकेदारों के लिए राजस्व सृजन का स्रोत नहीं होनी चाहिए, बल्कि जनता के लिए बेहतर और सुरक्षित सड़कें उपलब्ध कराने का साधन होनी चाहिए। निश्चित तौर पर गुणवत्ता की सेवा दिए बिना कोई टैक्स वसूलना उपभोक्ता के साथ धोखाधड़ी एवं अन्याय है। यह बात हर सरकारी व निजी महकमे पर भी लागू होती है। लेकिन यथार्थ में ऐसा होता नहीं है और बेहतर सेवा के बिना टैक्स वसूलने की स्थितियां लगातार बढ़ती जा रही है। इन स्थितियों को लेकर आम जनता एवं उपभोक्ताओं में विरोध एवं विद्रोह पनप रहा है, इसलिये सरकार एवं ऐसी एजेन्सियों के खिलाफ लोग लोक अदालतों से लेकर विभिन्न अदालतों के दरवाजे खटखटाते रहते हैं। किसी भी विभाग को अपनी खामियों पर पर्दा डालने के बजाय सेवा में सुधार की पहल करनी चाहिए। अब चाहे मामला राष्ट्रीय राजमार्गों पर कार्यरत एजेंसियों का हो या फिर बिजली—पानी जैसे मूलभूत जरूरतों वाले विभागों का, अधिकारियों को उपभोक्ताओं के प्रति संवेदनशील एवं जिम्मेदार होना चाहिए।

नियंत्रण से बाहर होती हमारी व्यवस्था हमारे लोक—जीवन को न केवल अस्त—व्यस्त कर रही है, बल्कि आहत, पीड़ित एवं परेशान भी कर रही है। ऐसी अनेक सुविधाएं हैं जो सरकार के द्वारा जनता के लिये उपलब्ध कराई जाती है, इसके लिये सरकार टैक्स वसूलती है। लेकिन बिना सुविधा के भी टैक्स वसूलने की स्थितियां सरकार पर बदनूमा दाग है और ऐसे दाग लगातार बढ़ते जा रहे हैं। बहरहाल बात राजमार्गों पर वसूले जा रहे गैर वाजिब टोल टैक्स के बढ़ने की चिन्ता का है, जो एक त्रासदी है। इसी त्रासदी को केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री ने स्वीकारा और कहा कि सड़कें अच्छी नहीं होने पर तमाम शिकायतें हमें मिलती हैं। दूसरी ओर सोशल मीडिया पर लोग अपना गुस्सा जाहिर करते हैं। सही मायनों में गुणवत्ता की सड़क प्रदान करने पर ही हमसे टोल वसूलने का अधिकार मिलता है। जाहिर सी बात है कि गड्ढों व कीचड़ वाली सड़कों पर टैक्स वसूलने पर पब्लिक की नाराजगी स्वाभाविक रूप से सामने आएगी। निस्संदेह, परिवहन मंत्री की स्वीकारोक्ति एक अच्छा कदम एवं स्वागतयोग्य कदम है और हर विभाग के मंत्री को अपने अधीनस्थ विभागों की ऐसी कारगुजारियों एवं ज्यादतियों पर नजर रखनी चाहिए। जरूरत इस बात की भी है कि ऐसी शिकायत दर्ज करने और शिकायतों के तुरंत निवारण हेतु एक स्वतंत्र तंत्र भी विकसित किया जाना चाहिए।

कई स्थानों पर सड़कों की गुणवत्ता में कमी, सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामियों का उजागर होना, गैरवाजिब टोल टैक्स वसूला जाना, उपभोक्ताओं को परेशान करता है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल टैक्स चुकाने के लिये घंटों लाइन में लगना भी एक बड़ी समस्या है, भले ही इस समस्या से मुक्ति के लिये सरकार ने कदम उठाये हैं, फास्टैग व्यवस्था के लागू करने से लाइनें छोटी हुई है। आज 98 प्रतिशत वाहनों में स्मार्ट टैग के माध्यम से निर्बाध यात्रा की जा रही है। निश्चित तौर पर राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस—वे आदि के बनने से यात्रियों का आवागमन सुविधाजनक हुआ है, पेट्रोल—डीजल में बचत हुई है एवं यातायात सुगम बना है। मोदी सरकार ने सड़कों को सुविधाजनक बनाया है। आने वाले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम आधारित टोल संग्रह प्रणाली को अंजाम देने की तैयारी में है। जिसके बाद राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल गेटों की जरूरत नहीं रह जाएगी। फिर टोल प्लाजा पर गाड़ी धीमी करने व रोकने की भी जरूरत नहीं रहेगी। इसे देश में चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। यह व्यवस्था सड़क—क्रांति को एक नई दिशा देगा। दरअसल, यह नया सिस्टम न केवल सही ट्रैकिंग कर पाएगा बल्कि यह राजमार्ग पर उपयोग की गई दूरी के आधार पर सटीक टोल गणना भी करेगा। बहुत संभव है आने वाले वर्षों में कार निर्माता कंपनियां अपने वाहनों पर ट्रैकिंग डिवाइस लगाएं। प्रारंभ में इस सिस्टम को प्रमुख हाईवे व एक्सप्रेस—वे पर लागू किया जाएगा। इसके बावजूद सरकार के लिये यह जरूरी है कि वह सड़कों की गुणवत्ता को बनाये रखे एवं गुणवत्ता वाली सुविधा की सड़कों पर ही टोल वसूले।

राजमार्गों पर यात्रा करने के दौरान आपके बैंक खाते या डिजिटल वॉलेट से पैसा कट जाता है। इसमें भी गलत तरीके से पैसे कटने की शिकायतें बढ़ती जा रही है। किसी व्यक्ति के फास्टैग से बिना टोल से गुजरे टोल टैक्स काट लिया जाता है या ज्यादा टोल वसूल लिया जाता है, जो उपभोक्ताओं के लिये परेशानी का सबब है। भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की 2019 की एक रिपोर्ट के अनुसार, सड़क निर्माण और रखरखाव के अपने लक्ष्यों को हासिल करने में विफल रहा है। रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि एचएचआई ने टोल अनुबंधों को आकार देने और निगरानी के लिए निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया है और टोल सड़कों की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की है। रिपोर्ट में टोल संग्रह प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी और दोषपूर्ण टोल प्लाजा, ओवरचार्जिंग और लंबी कतारों के कारण सड़क उपयोगकर्ताओं को होने वाली परेशानी और असुविधा पर भी प्रकाश डाला गया है। इन सभी हालातों को देखते हुए भारत में राजमार्गों एवं सुविधा की सड़कों के नाम पर हो रही टोल टैक्स वसूली को औचित्यपूर्ण एवं न्यायसंगत बनाने की अपेक्षा है। सुविधा के नाम असुविधाओं, असुरक्षा एवं धोखाधड़ी की बढ़ती स्थितियों को गंभीरता से लेना होगा।—लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

संविधान पर छिड़ी बहस के निहितार्थ

—तनवीर जाफरी—

18 वीं लोकसभा में अधिकांश विपक्षी सांसदों द्वारा शपथ ग्रहण के बाद श्जय संविधान श के स्वर बुलंद करना और अपने हाथों में संविधान की प्रतियां लेकर शपथ ग्रहण करना अनायास ही नहीं था। वास्तव में नई लोकसभा में इस मुद्दे पर विमर्श की शुरुआत तो तभी हो चुकी थी जब तीसरी बार सरकार बनाने जा रहे नरेंद्र मोदी नई लोकसभा निर्वाचित होने के बाद जब पहली बार संसद भवन के सेंट्रल हॉल में एनडीए संसदीय दल की बैठक में पहुंचे उस समय उन्होंने सबसे पहले भारतीय संविधान को अपने हाथों में ससम्मान उठाकर अपने मस्तक से लगाया और संविधान को नमन करने के बाद एनडीए की बैठक में शामिल हुए। अपनी एक्स पोस्ट में उन्होंने यह तस्वीर भी सांझी की। संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद मोदी ने कहा कि श्हम नेशन फर्स्ट के सिद्धांत पर काम करेंगे और सबको साथ लेकर चलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि हम मध्यम वर्ग को मजबूत करेंगे और सर्वधर्म सद्भाव के सिद्धांत पर काम करेंगे।श प्रधानमंत्री द्वारा संविधान को मस्तक से लगाने के बाद ही विपक्ष ने भी यह जरूरी समझा कि चूँकि 2024 के लोकसभा चुनाव में श्संविधान बचाओ श विपक्ष द्वारा उठाया गया एक मजबूत मुद्दा था लिहाजा क्यों न उसके निर्वाचित सांसद में अपने पहले प्रवेश में हाथों में संविधान की प्रति रखें और श्जय संविधान श का स्वर संसद में बुलंद कर देश व दुनिया को यह सन्देश दें कि संविधान बचाने की असली लड़ाई दरअसल विपक्षी दलों यानी इण्डिया गठबंधन द्वारा लड़ी गयी है।

सवाल यह है कि 'संविधान खतरे में है' या संविधान बदला जा सकता है,इस विमर्श की शुरुआत हुई कहाँ से ? विपक्षी दलों के किसी नेता ने तो संविधान बदलने की बात नहीं की ? जिस अयोध्या विवाद को राजनैतिक मुद्दा बनाकर भाजपा ने स्वयं को स्थापित किया उसी (फैजाबाद) लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह ने लोकसभा चुनाव के दौरान ही यह विवादित बयान किसके इशारे पर दिया कि — श्सरकार बनाने के लिए 272 सांसद चाहिए लेकिन संविधान संशोधन या संविधान बदलने के लिए दो तिहाई बहुमत चाहिए, नियम बदलना होगा और संविधान भी बदलना होगाश? ठीक उसी दौरान राजस्थान के नागौर लोकसभा से भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार ज्योति मिर्धा ने भी सार्वजनिक तौर पर कहा कि —श्संवैधानिक बदलाव के लिए लोकसभा और राज्यसभा में प्रचंड बहुमत होना चाहिएश । इसी तरह मेरठ से बीजेपी प्रत्याशी अरुण गोविल ने भी बीच चुनाव में कहा कि ष जब हमारे देश का संविधान बना था उसमें धीरे—धीरे परिस्थितियों के हिसाब से बदलाव हुए हैं। बदलाव करना प्रगति की निशानी होती है, उसमें कोई खराब बात नहीं है। तब परिस्थितियां कुछ और थीं, आज की परिस्थितियां कुछ और हैं। संविधान किसी एक व्यक्ति की मर्जी से नहीं बदलता है, सर्वसम्मति होती है तो बदलता है, अगर ऐसा कुछ होगा तो किया जाएगा। श्जब गोविल से पूछा गया कि क्या 400 पार का नारा इसलिए दिया गया है क्योंकि सरकार की ऐसा कुछ बड़ा करने की इच्छा है? ष इस सवाल पर गोविल का जवाब था कि , ष्मुझे ये महसूस होता है, क्योंकि मोदी जी ऐसे ही कोई बात नहीं कहते हैं, उसके पीछे कोई ना कोई अर्थ जरूर होता है.ष क्या भाजपा लोकसभा प्रत्याशियों द्वारा उसी संविधान के लिए इतनी गंभीर बातें किया जाना जिसे स्वयं प्रधानमंत्री सर माथे लगा रहे हैं,कोई मामूली बात है ? विपक्ष आखिर इसे मुद्दा क्यों न बनाये ?

इसी तरह कर्नाटक से छह बार बीजेपी के सांसद रहे अनंत कुमार हेगड़े ने भी संविधान बदलने को लेकर गंभीर बयान दिया था। हेगड़े ने गत 28 वर्षों में भाजपा प्रत्याशी के रूप में छह बार उत्तर कन्नड़ लोकसभा सीट से जीत हासिल की है लिहाजा उनके बयान को भी हल्के से नहीं लिया जा सकता। उन्होंने यह दावा किया था कि श भाजपा का 400 लोकसभा सीटें जीतने का लक्ष्य संविधान को बदलना है। हेगड़े ने एक सभा में कहा था कि ष्संविधान को श्फिर से लिखनेश की जरूरत है। कांग्रेस ने इसमें अनावश्यक चीजों को जबरदस्ती भरकर संविधान को मूल रूप से विकृत कर दिया है, खासकर ऐसे कानून लाकर जिनका उद्देश्य हिंदू समाज को दबाना था, अगर ये सब बदलना है, तो ये मौजूदा बहुमत के साथ संभव नहीं है.ष हेगड़े ने कहा था कि श्श ये किया जा सकता है, क्योंकि लोकसभा में अभी कांग्रेस नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास लोकसभा में दो—तिहाई बहुमत है, फिर भी चुप रहें, तो ये संभव नहीं है। ' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पार्टी को राज्यसभा और राज्यों में भी दो—तिहाई बहुमत की जरूरत है।' इसी तरह देश में और भी अनेक भाजपाई नेता व मंत्री आदि 400 पार के नारे से उत्साहित होकर इसी आशय के बयान देते रहे।

जब भाजपा के प्रमुख नेताओं द्वारा इस तरह के संविधान विरोधी बयान दिये जा रहे थे, तत्काल रूप से विपक्ष उन बयानों को मुद्दा बनाकर भाजपा को संविधान विरोधी ठहरा देता था। नतीजतन 'डैमेज कंट्रोल श के लिये उसी दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस मुद्दे पर स्वयं मोर्चा संभालना पड़ा था। विपक्ष के बार—बार ये कहने पर कि भाजपा संविधान को बदलना चाहती है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पलटवार करते हुए एक चुनावी रैली में यह जवाब देना पड़ा था श्कि उनकी सरकार संविधान का सम्मान करती है और यहां तक कि बाबा साहेब खुद भी आ जाएं तो भी संविधान खत्म नहीं कर पाएंगे।श परन्तु सवाल यह है कि भाजपा ने संविधान बदलने की बात करने वाले किसी भी नेता के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों नहीं की ? इसके अलावा इस समय हिन्दू राष्ट्र निर्माण की बातें करना भी गोया फैशन बन गया है। भाजपा व संघ के तमाम लोग,साधू ,प्रवचन कर्ता,सरे आम हिन्दू राष्ट्र निर्माण की पुरजोर वकालत करते दिखाई दे रहे हैं। यह मांग ही अपने आप में संविधान विरोधी है। इस मांग का मतलब यही है कि हिन्दू राष्ट्र की मनोकामना रखने वालों को संविधान में दर्ज 'हम भारत के लोग ' और धर्मनिरपेक्ष जैसे शब्द पसंद नहीं ?

वर्तमान संघर्षों में पुरानी अवधारणा

—मनीष तिवारी—

इतिहास हमें बताता है कि भू—रणनीतिक परिवर्तन कभी भी आसान नहीं होते। वे जरूरी नहीं कि इसी क्रम में हमेशा अनिश्चितता, भय, असुरक्षा और रक्तपात के साथ होते हैं। हालांकि हर परिवर्तन अपने साथ कुछ वैचारिक निर्माण लाता है जो अगले दशक या सदियों तक रणनीतिक परिदृश्य को रेखांकित करता है। यह स्थायी शांति के युग की शुरूआत करता है जो आमतौर पर समृद्धि, मानव जाति की आगे की यात्रा और सबसे बढ़कर स्थिरता और थोड़ी—सी खुशी के साथ होता है। अगर कोई इतिहास में गहराई से जाए तो 1618 में रोमन कैथोलिक और प्रोटेस्टैंट के बीच शुरू हुए 30 साल के युद्ध ने मध्य यूरोप के अधिकांश हिस्से को तबाह कर दिया था। 1648 में वेस्टफेलिया की शांति के साथ शांत हुए उस विनाश की राख से एक नया सिद्धांत उभरा जिसने एक सदी या उससे अधिक समय तक यूरोपीय राज्य शिल्प को आधार बनाया। इसे रायसन डी'एटैट कहा जाता है। इसे चर्च के एक राजकुमार आर्मंड जीन डु प्लेसिस, काध्डनल डी रिचेल्यू द्वारा गढ़ा गया, जो 1624—1642 तक फ्रांस के प्रथम मंत्री थे, और उसके बाद से अधिकांश यूरोपीय शक्तियों द्वारा इसका अनुसरण किया गया।

रायसन डी'एटैट इस तथ्य पर आधारित था कि किसी राष्ट्र की सुरक्षा और प्रधानता के लिए उसे संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए आवश्यक सभी साधनों की तैनाती की आवश्यकता होती है। इसने परिकल्पना की कि सर्वोच्च राष्ट्रीय हित को सार्वभौमिक नैतिकता की सभी पुरातन धारणाओं से दूर रहना चाहिए। इसलिए रायसन डी'एटैट एक जटिल परिकल्पना पर आधारित था कि प्रत्येक राष्ट्र अपने स्वार्थी और संकीर्ण हितों का पीछा करते हुए किसी न किसी तरह से सभी अन्य लोगों की सामूहिक सुरक्षा और प्रगति को सुनिश्चित करेगा। हालांकि 18वीं शताब्दी तक ग्रेट ब्रिटेन ने शक्ति संतुलन की अवधारणा को स्पष्ट कर दिया था, जो अगले 200 वर्षों तक यूरोपीय कूटनीति पर हावी रहा। इसकी उत्पत्ति ब्रिटिशों की इच्छा में हुई थी कि वे किसी भी एक यूरोपीय शक्ति को यूरोपीय महाद्वीप पर हावी होने से रोकें। संतुलन बनाए रखने के लिए ग्रेट ब्रिटेन को किसी भी संघर्ष में कमजोर या कमजोर पक्ष के पीछे अपना वजन डालना पड़ता था।

शक्ति संतुलन की अवधारणा का उपयोग ऑस्ट्रिया के राजकुमार वॉन मेटरनिख और अन्य यूरोपीय राजनेताओं ने सितंबर 1814 में वियना की कांग्रेस में यूरोप में सामंजस्य स्थापित करने के लिए किया था। इसने सुनिश्चित किया कि 40 वर्षों तक महाशक्तियों के बीच कोई युद्ध न हो और 1854 के क्रीमियन युद्ध के बाद अगले 60 वर्षों तक कोई सामान्य युद्ध न हो, जिससे एक सदी तक सापेक्ष शांति सुनिश्चित हुई जिसने यूरोप को भौतिक, सांस्कृतिक और साम्राज्यवादी रूप से फलने—फूलने में मदद की। मैंने इन 3 सिद्धांतों अर्थात् रीजन डी'एटैट , शक्ति संतुलन और वास्तविक राजनीति को प्रतिपादित करने का कारण इसलिए चुना है क्योंकि उस युग के राजनेताओं द्वारा अवधारणा को लागू किए जाने के कई शताब्दियों बाद भी वे अलग—अलग नामों के तहत काम करना जारी रखते हैं क्योंकि दुनिया 3 महाद्वीपों में सक्रिय संघर्षों के रूप में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सामूहिक शांति के लिए शायद सबसे बड़ी चुनौती का सामना कर रही है।

आकाशीय बिजली गिरने से दो की मौत, पांच झुलसे

संवाददाता—देवरिया। जिले में रविवार की दोपहर में बरसात के दौरान दो गांवों में बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच युवक झुलस गए। उनका मेडिकल कालेज में इलाज चल जा रहा है। मौत की खबर से मृतकों के परिवार में कोहराम मच गया।

पहली घटना सदर कोतवाली क्षेत्र के रानीघाट में हुई। रविवार की दोपहर में गांव के किसान राजनाथ कुशवाहा (35) वर्ष पुत्र भृगुराशन धान की रोपाई करने को खेत में पानी चलवा रहे थे। उस दौरान करीब पौने एक बजे अचानक बरसात के दौरान उनके उपर आकाशीय बिजली गिर पड़ी। इससे घटना स्थल पर ही उनकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे परिजन उन्हें लेकर अस्पताल गए, जहां डॉक्टरों ने मृत्यु घोषित किया। मौत की खबर से पत्नी मंजू,10 वर्षीय बेटा सत्यम और 12 वर्षीय शिवम दहाड़े मारकर रोने लगे।

आकाशीय बिजली गिरने की दूसरी घटना सदर कोतवाली क्षेत्र के ही गोपालपुर गांव में हुई। दोपहर में गांव के बगीचे में करीब एक दर्जन युवक क्रिकेट मैच खेल रहे थे और कुछ लोग मैच देख रहे थे। उसी दौरान बरसात शुरू होने पर खिलाड़ी और दर्शक पास के शिव मंदिर में चले गए। इस दौरान मंदिर पर अचानक तेज आवाज के साथ बिजली गिर पड़ी। इसमें खुखुंदू थाना क्षेत्र के परासिया करकटही निवासी राधेश्याम गिरी (50) पुत्र कालीचरन की मौत हो गई। इसके अलावा आकाशीय बिजली की चपेट में आने से अंकित कुशवाहा (19) पुत्र उमेश कुशवाहा, नीरज पासवान (20) पुत्र राजेंद्र, सत्येंद्र यादव (29) पुत्र महेंद्र, रितिक सिंह (18) पुत्र संतोष ,रोशन सिंह (18) पुत्र मनोज झुलस गए। इसमें सत्येंद्र यादव पीएचडी फाइनल ईयर के छात्र हैं। आकाशीय बिजली से एक व्यक्ति की मौत और कई युवकों के झुलसने की खबर से गांव में कोहराम मच गया। ग्रामीण आकाशीय बिजली की चपेट में आये सभी लोगों को एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी पहुंचाया गया। एक साथ कई झुलसे युवकों के पहुंचने से इमरजेंसी में अफरा—तफरी मच गई। इसमें राधेश्याम गिरी को डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य युवकों का इलाज चल रहा है। सूचना पर पुलिस ने इमरजेंसी पहुंच जायजा लिया। हादसे के शिकार राधेश्याम गिरी गोपालपुर ससुराल में रहते थे।

सेवानिवृत्त सहायक कोषाधिकारी को दी गई विदाई

संवाददाता—श्रावस्ती। निवर्तमान सहायक कोषाधिकारी अवधेश कुमार यादव के सेवानिवृत्त होने पर रविवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विदाई समारोह आयोजित कर भावभीनी विदाई दी गई। इस दौरान जनपद में तैनात रहे पूर्व वरिष्ठ कोषाधिकारी, अपर निदेशक कोषागार गिरीश कुमार, वर्तमान वरिष्ठ कोषाधिकारी विनीत कुमार व पूर्व वरिष्ठ कोषाधिकारी वीरेन्द्र कुमार मिश्रा समारोह में शामिल हुए। जिनकी ओर से फूलमाला पहनाकर सेवानिवृत्त सहायक कोषाधिकारी अवधेश यादव को विदाई दी गई और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। अपर निदेशक कोषागार गिरीश कुमार ने कहा कि निवर्तमान सहायक कोषाधिकारी का गौतम बुद्ध की धरती श्रावस्ती से उनके सेवाकाल का समापन हुआ है। वे एक अच्छे, विनम्र स्वभाव के अधिकारी रहे हैं। प्रतिभा के धनी व मधुर और सरल स्वभाव के लिए जाने जाते थे। वहीं निवर्तमान सहायक कोषाधिकारी ने अपने सम्मान समारोह में संस्मरणों को साझा किया। इस मौके पर ई—डिस्ट्रिक्ट मैनेजर शरद श्रीवास्तव, आशुलिपिक एसपी सिंह, आशुलिपिक अनूप तिवारी, राजेश मिश्रा, अनूप कुमार द्विवेदी, विश्व नाथ, महेश गुप्ता, अनूप कुमार द्विवेदी, मनीष कुमार आदि मौजूद रहे।

तटबंध कार्य को युद्ध स्तर पर कराकर पूरा करें—जिलाधिकारी

संवाददाता—श्रावस्ती। बाढ़ से बचाव के लिए कटानरोधी कार्य कराया जा रहे हैं। साथ तटबंधों का निर्माण कार्य चल रहा है। जिलाधिकारी ने निरीक्षण कर तटबंध कार्यों को युद्धस्तर पर कराकर समय से पूरा करने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने शनिवार शाम को खजुहा झुनझुनिया, अन्धरपुरवा तटबन्ध के समीप ग्राम मोहम्मदपुर कला व केशवापुर पहुंचकर बाढ़ से राहत कार्यों का निरीक्षण कर जायजा लिया। उन्होंने कटान निरोधी कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराने का निर्देश दिया। इस दौरान अधिशासी अभियन्ता ने डीएम को अवगत कराया कि इस तटबन्ध के निर्माण से 85 गांवों, 98350 आबादी व 15 हजार 712 हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि सुरक्षित होगी। जनपद में राप्ती के बाएं तट पर स्थित ग्राम मोहम्मदपुर कला व अन्धरपुरवा तटबन्ध की बाढ़ व कटान से सुरक्षा के लिए ड्रेजिंग के कार्य की परियोजना का कार्य मुख्य अभियन्ता सज्जा एवं सामग्री प्रबन्ध सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग लखनऊ की ओर से कराया जा रहा है। जिसके तहत प्रस्तावित पथ के अनुरूप तीन मीटर व्यास में 220 मीटर जिओ ट्यूब लगाकर नदी की धारा की दिशा को मोड़कर लगभग 2500 मीटर लम्बाई व 45 मीटर चौड़ाई में क्यूनेट का निर्माण कर राप्ती नदी की मुख्य धारा का क्यूनेट में डायवर्ट किया गया है। ड्रेजिंग का कार्य समाप्त होने के बाद बाढ़ के समय नदी की प्रवृत्ति का गहन अध्ययन करने के बाद नदी की धारा दूर चले जाने के पर ग्राम मोहम्मदपुर कला में 500 मीटर का अवशेष गैप के निर्माण का कार्य कराना तकनीकी रूप से हुई। इस मौके पर एडीएम अमरेंद्र कुमार वर्मा, एसडीएम भिनगा पीयूष जायसवाल, अधिशाषी अभियंता बाढ़ कार्य खंड अजय कुमार, आपदा विशेषज्ञ अरुण कुमार मिश्रा आदि मौजूद रहे।

कई गांव पानी से घिरे,ऊफान पर हैं पहाड़ी नाले

संवाददाता—बलरामपुर। नेपाल की पहाड़ियों पर हुई मूसलाधार वर्षा का असर तराई क्षेत्र में दिख रहा है। आधा दर्जन से अधिक पहाड़ी नाले ऊफान पर हैं। लगभग पांच दर्जन गांव नालों के पानी से घिरे हैं। कुछ गांव ऐसे हैं जिनके घरों में पानी घुसा है। कई स्थानों पर आवागमन बाधित हुआ है। धान, मक्का, अरहर फसल में सिल्ट भरने से नुकसान पहुंचा है। महराजगंज तराई स्थित पहाड़ी खरझार नाले पर बनाया गया तटबंध कटने के कगार पर पहुंच गया है। हर्रैया क्षेत्र के खैरहनिया गांव में आंगनबाड़ी केन्द, प्राथमिक विद्यालय व एएनएम सेंटर कटने के कगार पर हैं। शनिवार देर रात व रविवार सुबह हुई वर्षा से नगर क्षेत्र के कई मोहल्लों में जलभराव है। महराजगंज तराई के पहाड़ी खरझार नाले में रविवार की सुबह चार बजे बाढ़ आ गई। नेपाल की पहाड़ियों पर पिछले तीन दिनों से रुक—रुककर बारिश होने की सूचना है। लालपुर लैबुड्डी, कनहरा, ननुहापुर, मैटहवा, शांतिपुरवा, विजयीडीह, गडरियनपुरवा, औरहिया, महादेव गोसाईं, सुगानगर, लोनियनपुरवा व जगराम पुरवा सहित दर्जनों गांव पानी से घिर गए। नाला किनारे स्थित खेतों में पहाड़ की रेत भर गई। दर्जनों हेक्टेयर धान नर्सरी, मक्का, अरहर फसल में नाले की रेत भर गई। फसलें रेत में दफ्न हो गईं। मैटहवा गांव निकट खरझार नाला का बांध कटने की स्थिति में पहुंच गया है। पानी बांध पार करके गांव तक पहुंच गया। प्राथमिक विद्यालय जाने वाला रास्ता बाधित हो गया। राम कुबेर चौधरी, फतेह बहादुर व नन्हें के घर में पानी घुस गया। सुबह दो घंटे तक मूसलाधार बारिश होने पर लोगों की चिंता बढ़ गई। बांध कटने की सूचना पर ग्रामीण डर गए। लोगों ने घर छोड़ने की तैयारी शुरू कर दी लेकिन दोपहर 12 बजे के बाद बाढ़ का पानी खटकने लगा। मैटहवा, सुगानगर, महादेव गोंसाई जाने वाला रास्ता बाधित हो गया।

हर्रैया सतघरवा क्षेत्र के खैरहनिया, धोबइनिया व कचनी पहाड़ी नाला में रविवार सुबह जबरदस्त ऊफान आया। हज्जीपुरवा, मजरेठी, चिरौंजीपुर, टेढ़ीप्रास, उदईपुर, खैरहनिया व डेरवा में नाला कटान कर रहा है। खैरहनिया में पंचायत भवन, आंगनबाड़ी केन्द्र, कम्पोजिट विद्यालय, जन निगम नलकूप, लोहिया प्रधानमंत्री आवास, डाकघर व सम्पर्क मार्ग कटने के कगार पर हैं। रहतउल्लाह, हरीराम, कमला, बुधराम, रक्षाराम, जगराम, राम किशोर, राजाराम, राजिन्दर, झगरू, हकीकुल, झाबू, काशीराम सहित दो दर्जन लोगों के मकान कटान की जद में हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कटान रोकने का काम नहीं किया गया तो घर नाले में समा जाएंगे। शनिवार देर रात व रविवार सुबह हुई वर्षा से तुलसीपार्क, खलवा, पहलवारा, टेढ़ी बाजार, पूरबटोला आदि मोहल्लों में नाला सफाई न होने से जलभराव की समस्या हो गई। नालियों का पानी मोहल्लों की गलियों में भरा होने से लोगों को परेशानियां उठानी पड़ीं। मोहल्लावासियों का कहना है कि समय—समय पर नालियों की सफाई न होने से बरसात में नगर वासियों को खासा परेशानी उठानी पड़ती है। सड़कों पर बिखरे पड़े कूडेद्द बरसात होने पर बजबजाने लगती हैं। कई—कई दिनों तक इधर—उधर फैली गंदगी से संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बना रहता है। वहीं कई मोहल्लों में सीवर लाइन बिछाने का काम किया गया लेकिन खोदी गई सड़कों की मरम्मत नहीं कराई गई। बरसात होने से मिट्टी पटान पूरी तरह धंस गई है। जिस कारण लोगों को आवागमन में परेशानी उठानी पड़ रही है।

हेलमेट लाओ तब गाड़ी ले जाओ या सीज कराओ –एसपी ग्रामीण

संवाददाता—बहराइच। आप अपने बीवी बच्चों को प्यार करते हो, जो घर पर आपका इंतजार कर रहे हैं, तो हेलमेट पहनकर बाइक चलाओ। जिंदगी अनमोल है इसे खतरे में न डालें। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. पवित्र मोहन त्रिपाठी ने शनिवार की देर शाम को हरदी थाने के राजी चौराहे पर सड़क सुरक्षा अभियान के तहत सघन वाहन चेकिंग अभियान के दौरान वाहन स्वामियों से ये बातें कहीं।

बढ़ती हुई सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली हेडइंजरी के कारण हो रही मौत के बेतिहासा बढ़ते आंकड़ों को हेलमेट पहन कर कम किया जा सकता है। उसी क्रम में एसपी ग्रामीण के नेतृत्व में क्षेत्राधिकारी अनिल कुमार सिंह व थाना हरदी एसओ संतोष कुमार सरोज, खैरीघाट एसओ संजय कुमार सिंह, रामगांव एसओ शशि कुमार राणा भारी पुलिस के साथ तीन घंटे तक सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। उस दौरान एसपी ग्रामीण ने एक नई पहल की शुरुआत करते हुए बिना हेलमेट के बाइक से आने वालों की बाइक खड़ी करवा दी और कहा कि हेलमेट लेकर आओ और गाड़ी ले जाओ नहीं तो सीज कराओ।

उन्होंने सभी थानाध्यक्षों को निर्देश दिए कि लगातार चेकिंग लगाते रहें, और बिना हेलमेट के बाइक चलाने वालों की गाड़ियां खड़ी करवा लें। वाहन स्वामी की ओर से हेलमेट लाने पर ही बाइक छोड़ें न लाने पर सीज कर दें। कहा कि ई रिक्शा और ट्रैक्टर पर भी नंबर प्लेट व रिफ्लेक्टर पट्टी लगवाकर उन्हें छोड़ दें चालान न करें, जिससे किसान और गरीब परेशान न हों। चेकिंग अभियान के दौरान 120 वाहनों का ई चालान कर एक लाख 18 हजार का राजस्व वसूला गया। जिसमें बिना हेलमेट 70 वाहन चालकों से सत्तर हजार रुपए एवं बिना नंबर प्लेट के वाहनों से 48 हजार रुपए राजस्व वसूला।

मानसून के आते ही नेपाल की नदियां उफनाने लगी– भारत में भी बाढ़ का खतरा

संवाददाता—महराजगंज। सोनौली नेपाल अगले तीन दिनों में नदियों में बाढ़ का स्तर काफी बढ़ जाएगा। विभाग ने संबंधित सभी जिलों के अधिकारियों को अत्यधिक सतर्कता बरतने का अनुरोध किया है। क्योंकि बाढ़ से नुकसान भी हो सकता है। बाढ़ पूर्वानुमान महाशाखा के मुताबिक, कोशी, नारायणी, करनाली और उसकी सहायक नदियों व बागमती, कमला, पूर्वी राप्ती, पश्चिमी राप्ती और बाबई के जलस्तर में काफी वृद्धि होने की आशंका है। इसलिए विभाग ने नदी तटीय क्षेत्र की गतिविधियों में विशेष सावधानी बरतने को कहा है। तापलेजंग, संखुवासभा, सरलाही, रौतहट, बारा, परसा, मकवानपुर, नवलपरासी पश्चिम, नवलपरासी पूर्व, पाल्पा, तनाहुन, स्यांगजा, परबत, म्यागदी, बगलुंग, डांग, रोल्पा, बांके, बर्दिया और आसपास के जिलों के नदियों में आह से प्रवाह बढ़ जाएगा, जिससे नदियों में आकस्मिक बाढ़ का जोखिम बढ़ने का अंदेशा है। इलम, तेहराथुम, पंचथर, भोजपुर, उदयपुर, रामेछाप, दोलखा, सिंधुपालचोक, चितवन, लामजुंग, रूपनदेही, कपिलवस्तु, अरघाखांची, प्युथन, सल्यान, दैलेख, कैलाली, कंचनपुर, डोटी, डडेलधुरा जिलों से बहने वाली नदियों में प्रवाह बढ़ जाएगा। आसपास के जिले कुछ नदियों में अचानक बाढ़ आने का खतरा है। नेपाल के पहाड़ों में लगातार बारिश के कारण वहां की नदियों में उफान है। जिसका असर भारत के तराई एरिया में देखने को मिलता है।

छात्रवृति आवेदन के लिए समय सारिणी जारी

संवाददाता—श्रावस्ती। जिला समाज कल्याण अधिकारी डा. अमरनाथ यति ने बताया कि समाज कल्याण विभाग की ओर से शैक्षिक सत्र 2024—25 में पूर्वदशम छात्रवृति योजना में आनलाइन आवेदन से लेकर वितरण हेतु समय—सारिणी निर्गत किया गया है। उन्होंने बताया कि संशोधित समय—सारिणी के तहत विद्यालय का मास्टर डाटा तैयार करने की अन्तिम तिथि 10 जुलाई से दो दिसम्बर तक, डीआईओएस की ओर से सत्यापन 11 जुलाई से छह सितम्बर तक, पीएफएमएस पर छात्रों का वेलिडेशन 19 नवम्बर से 08 जनवरी 2025 तक तिथि निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि कक्षा नौ व 10 के छात्र—छात्राओं के लिए आनलाइन आवेदन व अन्य प्रक्रिया, छात्रों की ओर से आनलाइन रजिस्ट्रेशन 10 जुलाई से 31 अक्टूबर तक किया जाएगा। फाइनल प्रिंटआउट चार नवम्बर तक निकालना होगा। विद्यालय की ओर से सत्यापन व अग्रसारण 11 जुलाई से 18 नवम्बर तक किया जाएगा। जिला विद्यालय निरीक्षक की ओर से सत्यापन 19 नवम्बर से छह दिसम्बर तक होगा, छात्र की ओर से त्रुटियों को सुधार करने का कार्य 29 नवम्बर से पांच दिसम्बर तक होगा, छात्र की ओर से सही आवेदन को विद्यालय में 10 दिसम्बर तक जमा किया जाएगा।

कैसरगंज नगर पंचायत में यात्रियों के लिए नहीं है बस स्टेशन

संवाददाता—बहराइच। तहसील मुख्यालय कैसरगंज लगभग पांच लाख आबादी को जोड़ता है। आजादी के कई दशक बाद भी यहां बस अड्डे का निर्माण नहीं हो पाया। यात्री सुविधाओं के मामले में लोग अनेक परेशानियों का सामना करते हैं। यहां से बहराइच, रुपईडीहा, बलरामपुर, बाराबंकी, लखनऊ, दिल्ली के लिए परिवहन निगम की बसें निकलती हैं। प्रतिदिन हजारों यात्री गंतव्य के लिए रवाना होते हैं।

धूप और बारिश में लोग सड़क के किनारे बसों का इंतजार करते हैं। महिलाएं बच्चे अक्सर जमीन पर बैठे दिखते हैं। कई बार लोग वाहनों की चपेट में आकर जख्मी हो चुके हैं।

यात्रियों के लिए छाया, बैठने के इंतजाम, महिला, पुरुष प्रसाधन आदि की सुविधा नहीं है। ऐसे में यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कैसरगंज में परिवहन निगम की बसों के रोकने का कोई निश्चित स्थान नहीं है। लगभग सैकड़ों बसें प्रतिदिन यहां से गुजरती हैं। बसों के आने पर लोग पीछे—पीछे दौड़ते हैं। बुजुर्ग, महिलाओं व बच्चों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है।

844 बूथों पर सुना गया मन की बात कार्यक्रम

संवाददाता—श्रावस्ती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को भाजपा कार्यकर्ताओं ने रविवार को जिले के सभी बूथों पर सुना। जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी सहित जिला पंचायत अध्यक्ष, विधायक व अन्य कार्यकर्ताओं की ओर से अपने बूथों कार्यक्रम को सुना गया।

जिले के 844 बूथों पर मन की बात कार्यक्रम सुनने की व्यवस्था की गई। जहां जनप्रतिनिधि, बूथ समिति के सदस्यों व कार्यकर्ताओं की ओर से रेडियो पर कार्यक्रम सुना गया व टेलीविजन पर कार्यक्रम का सजीव प्रशासण देखा गया। भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी ने भिनगा नगर के बूथ संख्या 148, बागुरैया गलकटवा में बूथ समिति के कार्यकर्ताओं व आमजन के साथ प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम सुना। कार्यक्रम के उपरांत जिलाध्यक्ष ने कहाकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से बीते दिनों में भारत द्वारा देश ही नहीं विश्व में अपने कार्यों के माध्यम से मिली अलग पहचान का वर्णन तथा देश के विभिन्न विषयों पर चर्चा की। जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा की ओर से गिलौला क्षेत्र के बूथ संख्या 211, 212 भिखारीपुर मसड़ी में बूथ अध्यक्ष, बूथ समिति सदस्यों व कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना गया। विधायक श्रावस्ती राम फेरन पाण्डेय ने इकौना क्षेत्र के बूथ संख्या 324 इकौना देहात पर समिति के सदस्यों व नगरवासियों के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना। इसके साथ ही लोकसभा संयोजक शंकर दयाल पाण्डेय, पूर्व जिलाध्यक्ष संजय कैराती पटेल, महेश मिश्रा, दिवाकर शुक्ला, पुरुषोत्तम कौशल, रमन सिंह, प्रेम सिंह नायक, पूजा पाण्डेय , अरुण पाण्डेय, जिला मीडिया प्रभारी संजू तिवारी, नेकराम पाण्डेय, सरिता सिंह, गीता गुप्ता, राकेश साहू सहित अन्य जिला पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने मन की बात कार्यक्रम को सुना।

अयोध्या राम मंदिर गर्भगृह में फहराया जीत का तिरंगा, सड़कों पर देर रात तक हुआ जश्न

संवाददाता—अयोध्या। टी—20 वर्ल्ड कप में शनिवार की आधी रात जैसे ही भारत ने खिताबी जीत हासिल की पूरे देश में खुशी छा गई। धर्म—कर्म की नगरी अयोध्या भी इससे अछूती नहीं रही। आधी रात को भारत के जीत की खुशी में शहर में पटाखे फूटने लगे, लोगों ने खुशियों की आतिशबाजी की। साधु—संत भी खुशियां मनाने में पीछे नहीं रहे। भारत के विश्व कप विजेता बनने की खुशी में राममंदिर में पुजारियों ने तिरंगा लहराया तो हनुमानगढ़ी के प्रवेश द्वार पर पटाखे छोड़े गए।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर टी—20 वर्ल्ड कप अपने नाम कर लिया। टीम इंडिया के जीतते ही अयोध्या में लोग सड़कों पर उतर आए। जश्न में नाचते गाते नजर आए। लोगों ने जगह—जगह आतिशबाजी की। एक दूसरों को बधाई दिया। जिला मुख्यालय से लेकर ग्रामीणों और

कस्बों में भी भारत की जीत पर जश्न मनाया गया। रामलला के पुजारी आचार्य संतोष तिवारी ने रविवार की सुबह रामलला की राग—सेवा, पूजा के दौरान तिरंगा झंडा गर्भगृह में लहराकर रामलला को समर्पित किया उन्होंने कहा कि राम की कृपा से ही क्रिकेट प्रेमियों को गौरवान्वित होने का अवसर मिला है।

इसी तरह हनुमानगढ़ी के प्रवेश द्वार संत पुजारी दास ने अपने समर्थकों के साथ पटाखे छोड़कर जीत का जश्न मनाया। रिकाबगंज चौराहे पर फैंस इकट्ठा हुए और जश्न मनाया। लोगों ने ढोल नगड़ों के साथ जमकर डांस किया। आतिशबाजी की। सूर्यांश चोपड़ा, सानू, रोहित अग्रहरि, मनीष, आनंद ने भारत की जीत पर जमकर जश्न मनाया। टेढ़ीबाजार से हाथ में तिरंगा लेकर मोटर साईकिल जुलूस निकालकर भारत माता के जमकर जयकारे लगाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व विजेता बनने पर भारतीय क्रिकेट टीम का अभिनंदन किया है। एक्स पर जारी अपने बधाई संदेश में योगी ने लिखा कि श्अजेय इंडियाश, भारतवासियों को हार्दिक बधाई। विश्व विजेता भारतीय क्रिकेट टीम का अभिनंदन, जय हिंद। लखनऊ के दिल कहे जाने वाले हजरतगंज में जीत का जश्न मना। जैसे ही भारत ने सात रनों से वर्ल्डकप जीता वैसे ही लोग सड़कों पर नाचते—गाते हुए पहुंच गए। यहां पर जमकर आतिशबाजी भी देखने को मिली।

सोशल ऑडिट टीम के सदस्यों का प्रशिक्षण शुरू

संवाददाता—गोण्डा। सोशल आडिट टीम के सदस्यों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण रविवार से ग्राम्य विकास संस्थान में शुरू हुआ। इसमें तीन ब्लॉक के करीब 41 सदस्यों में प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण का शुभारंभ जिला प्रशिक्षण अधिकारी अभिषेक मणि त्रिपाठी ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया। सभी सदस्यों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बिना ज्ञान के किसी भी व्यक्ति व कार्य का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता है। व्यक्ति के अंदर ज्ञान होना आवश्यक है । लोगों को ज्ञान तभी मिल सकता है जब व्यक्ति ईमानदारी एवं निष्ठा पूर्वक कार्य को सीखेगा। डीटीओ अभिषेक कुमार त्रिपाठी सभी सदस्यों को प्रत्येक ग्राम पंचायत में किए गए मनरेगा कार्यों ,प्रधानमंत्री आवास एवं राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत विधवा पेंशन एवं पारिवारिक लाभ के तहत विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षक मनोज कुमार मिश्रा,एलपी मिश्रा, अभिषेक कुमार व अजीत कुमार शुक्ला ने भी लोगों को आडिट के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इसमें ब्लाक ऑर्डिनेटर राकेश कुमार गौतम, अशोक कुमार पाठक, राजेश पाठक, मलखान सिंह, रमेश पाण्डेय, वंशीलाल गोस्वामी, सरोजनी सिंह, अंजना तिवारी,गुरु बचन, घनश्याम,राम अनुज, त्रिशुलधारी दूबे शिवकुमार,राम शरन,सच्चितानंद तिवारी,विजय श्रीवास्तव, बच्छराज पासवान,ओम प्रकाश, सालिकराम, हरिद्वार प्रसाद मिश्र, नसरुद्दीन, रामफेर, नायब सिंह, विश्वनाथ, घिराऊ प्रसाद आदि रहे।

दबंगों ने कर लिया चरागाह व ग्राम समाज की भूमि पर कब्जा

संवाददाता—गोण्डा। चरागाह हो या जलमग्न, रास्ता हो अथवा ग्राम समाज इस पर अगर कोई कब्जा करता है तो उसके विरुद्ध शासन और प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई के निर्देश दे रखे हैं। इस पर इटियाथोक में अमल नहीं हो रहा है। क्षेत्र में सरकारी जमीनों पर राजस्व कर्मियों की मिलीभगत से धड़ल्ले से सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जे हो रहे हैं। शिकायत करने के बावजूद भी कार्रवाई नहीं हो रही है। प्रकरण सदर तहसील अंतर्गत ग्राम बिरमापुर इटियाथोक का है। जहां के अमृत लाल वर्मा पुत्र सुचित ने बताया कि ग्राम पंचायत की चरागाह, रास्ता, बंजर व नवीन परती की जमीन पर दबंगों द्वारा किये जा रहे कब्जे के विरुद्ध एसडीएम, डीएम, कमिश्नर सभी से शिकायत किया लेकिन आज तक दबंगों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की गई। शिकायत कर्ता ने बताया कि दबंग इतने मनबढ़ हैं कि उसके खेत पर कब्जा कर लिया जबकि खतौनी उसके नाम दर्ज है और बैंक से केसीसी ऋण भी प्राप्त कर चुका है। थाने पर रिपोर्ट लिखाने जाओ तो पुलिस डांट कर भगा देती है। एसडीएम ,डीएम जब राजस्व कर्मियों से रिपोर्ट तलब करते हैं तो वह सब गलत रिपोर्ट भेज देते हैं। उसने निष्पक्ष जांच के लिए दूसरे हल्के के राजस्व कर्मियों द्वारा जांच कराने पर वास्तविक सच्चाई का पता चल सकेगा।

परिवार परामर्श केन्द्र में तीन जोड़े साथ रहने पर राजी

संवाददाता—गोण्डा। शहर के पुलिस लाइन में रविवार को आयोजित परिवार परामर्श केन्द्र में परामर्शदाताओं ने बिछुडे जोड़ो की समस्याएं सुनकर उनका निराकरण किया गया। साथ ही तीन जोड़ों को समझा—बुझाकर सुखी जीवन जीने के लिए राजी कर लिया। इस दौरान गंगाधर शुक्ला, शशी भारती, यशोदानन्द त्रिपाठी, महिला थाना प्रभारी निरीक्षक अनीता यादव, शाहिना बानो, ज्योति राजभर आदि मौजूद रहीं।

प्रेशर कुकर फटने से बालिका गंभीररूप से घायल

संवाददाता—श्रावस्ती। खाना बनाते समय अचानक प्रेशर कूकर में ब्लास्ट हो गया। इससे एक बालिका उसकी चपेट में आ गई और गंभीररूप से घायल हो गई। परिजनों की ओर से बालिका को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के बड़घरपुरवा गांव में गांव निवासी राजेश कुमार मिश्रा की पत्नी रविवार सुबह गैस चूल्हें पर खाना बना रही थी। कूकर में मटरदाल व पानी डलकर उसे गैस चूल्हें पर पकने के लिए रख दिया और खुद नहाने चली गई। 11वर्षीय पुत्री चंदा मिश्रा उस समय प्रेशर कुकर के चपेट में आ गई जब उसकी मां नाहने के लिए किचन से बाहर नल पर थी। घटना शनिवार सुबह का है जब वह गैस सिलेंडर पर प्रेशर कुकर में मटरदाल चढ़ाकर नहाने चली गई। वहीं राजेश की 11 वर्षीय बेटी चन्दा मिश्रा आंगन में बैठी। स्नानघर से ही मां ने चन्दा को आवाज लगा और कहा कि गैस चूल्हा बंद कर दो दाल हो गई। चन्दा जैसे चूल्हे का रेगुलेटर बंद करने पहुंची तभी अचानक से प्रेशर कूकर फट गया। इससे कूकर का एक टुकड़ा बालिका के चेहरे पर जा लगा और वह गंभीररूप से घायल हो गई। कूकर फटने की आवाज सुन मां व राजेश दौड़कर रसोईघर में पहुंचे तो बालिका लहूलुहान हो गई थी। आनन फानन में परिजनों की ओर से बालिका को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसका इलाज हो रहा है।

बिखरे कूड़े व ऊबड़-खाबड़ सड़कें बनी नई बस्ती वार्ड की पहचान

संवाददाता—बलरामपुर। मोहल्ला आर्य नगर के वार्ड संख्या—4 रामलीला मैदान से सटे नई बस्ती में जल निकासी की सुविधा न होने के कारण लोग नारकीय जीवन जी रहे हैं। सड़क किनारे एकत्र कूड़े से उठने वाली दुर्गंध ने लोगों का जीना मुहाल कर रखा है। मोहल्ले में बिछाई गई सीवर लाइन के कारण सड़कें ऊबड़—खाबड़ हो गई हैं। छुट्टा जानवर मोहल्लावासियों के लिए मुसीबत का सबब बने हुए हैं। वार्ड में एक भी वाटर आरओ न होने व अधिकतर इंडिया मार्का हैण्डपम्प खराब होने के कारण लोग खरीदकर पानी पीने को विवश हैं। नई बस्ती मोहल्ले में जल निकासी की सुविधा नहीं है। मोहल्ले की सड़कों व इधर—उधर खाली पड़े स्थानों में जल भराव की समस्या बनी रहती है। गंदा पानी लोगों के घरों के आस—पास भरा है। नगर का कूड़ा भी सड़क किनारे एकत्रित रहता है। कूड़ा व गंदे पानी से तीव्र दुर्गंध उठती है। जिससे आस पास के लोग नारकीय जीवन जीने को विवश हैं। मोहल्लावासियों का कहना है कि चारों ओर फैली गंदगी के चलते संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बना रहता है। नगर पालिका इस समस्या से अंजान बना हुआ है। मोहल्ले में वाटर सप्लाई काफी धीमी गति से होती है। सुबह शाम पानी आने का समय निर्धारित है। रोजमर्रा कार्यों के लिए लोगों को इसका इंतजार करना पड़ता है। अधिकतर इंडिया मार्का हैण्डपम्प खराब होने के कारण लोगों को बाजार से डिब्बा बंद पानी खरीदकर पीना पड़ रहा है। गोंडा मोड़ तिराहा के पास सार्वजनिक सुलभ शौचालय, वाटर आरओ कूलर, मोबाइल यूरिनल एवं पुलिस बूथ की आवश्यकता है। वार्ड के इस स्थान पर सबसे अधिक जमावड़ा व आवागमन रहता है। लेकिन यह सारी सुविधाएं न होने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। मोहल्ले में मूलभूत सुविधाएं न होने से लागों को तमाम प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं गोंडा मोड़ तिराहा पर प्रतिदिन पुलिस कर्मियों की ड्यूटी तो लगती है, लेकिन उनके बैठने के लिए कोई उचित व्यवस्था नहीं है। जिस कारण पुलिस कर्मियों को पूरे दिन खड़े होकर ड्यूटी बजानी पड़ रही है। मोहल्ले में छुट्टा मवेशियों की भरमार है। मवेशी सड़कों पर दिन रात घूमते रहते हैं। कभी—कभी लोगों के घरों में भी घुस जाते हैं और उनके गृहस्थी को खासा नुकसान पहुंचाते हैं। मोहल्ले के कई लोग छुट्टा मवेशी के हमले में घायल हो चुके हैं। नगर पालिका की ओर से इस समस्या को लेकर आज तक कोई हल नहीं निकाला गया। छोटे—छोटे बच्चों पर भी छुट्टा जानवरों का खतरा बना रहता है। वहीं मोहल्ले में बंदरों का आतंक भी खूब है। बंदर लोगों के घरों में घुसकर खाने पीने की चीजों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। मोहल्ला वासियों ने कई बार जिम्मेदार अधिकारियों से बंदरों को पकड़वाकर जंगल में छोड़ने की मांग की, लेकिन आज तक इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया।

मुख्य मार्ग की मरम्मत कराने की मांग

संवाददाता—श्रावस्ती। तहसील क्षेत्र भिनगा के रजगढ़वा निवासी राहुल पुत्र विजय कुमार ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर मुख्य मार्ग की मरम्मत कराने की मांग की है। राहुल ने शिकायती पत्र में कहा है कि गांव के बाहर परिक्रमा मार्ग है। जिस पर पूरे गांव के लोगों का आना जाना है। इस तरफ ग्राम प्रधान के सगे संबंधियों के खेत स्थित हैं।

भाजपा सरकार में सभी वर्गों का हुआ विकास

संवाददाता—गोण्डा। केशवपुर मंडल के ग्राम सभा छावनी सरकार में रविवार को प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को मंडल अध्यक्ष अभिषेक दत्त त्रिपाठी की अगुवाई में सुनी गई। अभिषेक त्रिपाठी ने कहा कि इस बार युवाओं को रोजगार के बहुत सारे विभागों में अवसर मिलने वाले हैं। विभिन्न योजनाओं का लाभ सभी को मिल रहा है। इस दौरान राहुल कुमार मिश्रा, मनोज विश्वकर्मा, मुन्ना मौर्य, संतोष मौर्य, कमल गौड़, शिवांश दत्त त्रिपाठी, मान्या आदि रहे।

रामगढ़झील में जल की गुणवत्ता की जांच होगी

संवाददाता–गोरखपुर। रामगढ़झील में शुक्रवार को बड़ी संख्या में तैरती मिली मृत रोहू, भाकुर और बिग्रेड प्रजाति की मछलियां निकाल ली गई हैं। जीडीए उपाध्यक्ष व सचिव ने झील का निरीक्षण किया। उनके निर्देश पर झील के जल की गुणवत्ता जांच के लिए जीडीए के मुख्य अभियंता ने उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी दफ्तर को पत्र भी लिखा है। प्राधिकरण का दावा है कि तीन दिन में रिपोर्ट आ जाएगी। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को लिखे पत्र में प्राधिकरण ने नया सवेरा से ताल के किनारे चिड़ियाघर की ओर जाने वाली सड़क से लगे झील के पानी का सैंपल लेने के लिए लिखा है। तीन दिन में टेस्ट रिपोर्ट और विभागीय राय भी मांगी है। बोर्ड के कर्मचारियों ने झील से नमूने भी एकत्र किए। प्राधिकरण के मुख्य अभियंता किशन सिंह का दावा है कि तीन दिन में रिपोर्ट आ जाएगी। हालांकि मछलियों के पोस्टमार्टम कराने की पहल मछली पालन का ठेका लेने वाली मत्स्यजीवी सहकारी समिति ने उठाया न ही प्राधिकरण ने। उधर पता चला कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी सेवानिवृत हो चुके हैं, चार्ज आजमगढ़ के क्षेत्रीय अधिकारी के पास है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो की मौत, 11 झुलसे

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा और एम्स क्षेत्र में रविवार को खेत में रोपाई करते समय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। इसमें 11 लोग झुलस गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। गुलरिहा प्रतिनिधि के अनुसार क्षेत्र के खुटहन खास टोला सोनबरसा निवासी मुस्तरीम अली (45) अपनी पत्नी हफिजुन के साथ रविवार को दोपहर के समय खेत में धान की रोपाई करवा रहे थे। उनके साथ गांव की मीना, दुर्गावती, नेहा व तीन बहनें नीलम, विंदु व रेनू खेत में मजदूरी कर रही थीं। दोपहर बाद अचानक तेज बारिश में बिजली गिरने से अधेड़ पति–पत्नी समेत छह महिलाएं झुलस गईं। उन्हें मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने मुस्तरीम को मृत घोषित कर दिया।

एम्स थाना क्षेत्र के सिसवा उर्फ चनकापुर के सिवान में रविवार को इसी गांव के सुरेश सिंह के खेत में गांव की लड़कियां रोपाई कर रही थीं। दोपहर करीब एक बजे अचानक तेज बारिश शुरू हुई और इसी दौरान बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आकर चार लड़कियां सबिदा खातून (20), नेहा (18), स्नेहा (16) और अनामिका (14) झुलस गईं। इन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने सबिदा खातून को मृत घोषित कर दिया।

पाइप लाइन बिछाने के नाम पर खोदी गई सड़क, बनी मुसीबत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बढ़नी कस्बे एवं ग्रामीण इलाकों में पानी की पाइप लाइन बिछाने के नाम पर खोदी गई सड़कें बरसात में कस्बे व गांवों में लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गई है। इससे लोगों में नाराजगी है।

कस्बे के पश्चिम पोखरा, डिहवा सहित सभी मोहल्ले में पाइप लाइन बिछाने के नाम पर सड़कें खोदी गई हैं। ग्रामीणों इलाकों में भी आने जाने वालो रास्तों में बीचों बीच पानी के लिए पाइप डाली गई है। पाइप लाइन बिछाने वाली कार्यदाई संस्था द्वारा खोदी गई सड़क को ठीक न करने से सड़कों में बड़े बड़े गड्ढे हो गए हैं। बरसात होने पर राहगीरों के लिए मुसीबत बन गई है। राहगीर अक्सर गिर कर चोटिल हो जा रहे हैं। अधिशासी अधिकारी अजय कुमार का कहना है कि टेस्टिंग होने की वजह से नगर पंचायत की सड़कों के गड्ढों को भरा नहीं जा सका है। जल्द ही ठीक करा दिया जाएगा।

कार्यालय ग्राम पंचायत धनघटा विकास खण्ड- गौर, जनपद- बस्ती

अल्पकालीन निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **धनघटा**, विकासखंड **गौर** द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना/ 15 वीं वित/स्वच्छ भारत मिशन/ SLWM/RGSA योजना अंतर्गत 2024–25 में स्वीकृत योजनाओं के अंतर्गत कराए जाने वाले कार्यो में प्रयोग हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु (इंटरलॉकिंग इंट, प्रथम श्रेणी इंट, सीमेंट, सादा बालू, मोरंग, इंट की गिट्टी, पत्थर की गिले, छाड पेट, बोर्ड होम पाइप, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, सफाई ठेला कुदाल, झाड़ू, ब्लीचिंग पावडर चूना, कूड़ादान, सेनेटाइजर मशीन, फागिंग मशीन, इंडिया मार्का टू हैड पंप, रिबोर व मरम्मत की सामग्री एवं अन्य सरकारी निर्माण में प्रयुक्त सामग्री आदि) की आवश्यकता है। जिसके हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्ति कर्ता द्वारा दिनांक 01–07–2024 से दिनांक 06–07–2024 को 12:00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा फॉर्म वांछित प्रपत्र बंद लिफाफे में कार्यालय/स्थान ग्राम पंचायत **धनघटा,** में रखे गए निविदा बॉक्स में डाली जायेगी। निविदा दिनांक 08–07–2024 को अपरान्ह 02:30 बजे निविदा दाताओं के समक्ष खोला जाएगा।

नियम व शर्तें

1– अधिकृत फर्म अधिकृत डीलर का जी0एस0टी0 में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा 3 वर्ष कर आयकर क्लीयरेंस सलग्न करना अनिवार्य है।
2– जो दरें प्रस्तुत की जाए व जीएसटी तथा कार्टेज चार्ज जोड़कर प्रस्तुत की जाए।
3–आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति पर 2 फीसदी आयकर टीडीएस देना होगा। प्रस्तुत दरें पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा पीडब्ल्यूडी के समय अनुसार तय दर पर ही भुगतान किया जाएगा।
5– ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान/अवर अभियंता के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं कि जाएगी।
6– धरोहर की धनराशि मु. 5000 (पांच हजार) है।
7– धरोहर की राशि राष्ट्रीय कृत बैंकों एडीआर एन एससी/नगर एवं डाकघर में बचत पत्र जो ग्राम पंचायत **धनघटा,** के नाम बंधक हो, की मूल प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
8– निविदा स्वीकृत होने के उपरांत सचिव एवं ग्राम पंचायत द्वारा आदेश देने पर ही सामग्री की आपूर्ति की जाएगी।
9– आदेश देने के 7 दिनों के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर की धनराशि जब्त कर ली जायेगी।
10– सामग्री की आपूर्ति स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी।
11– सामग्री की मात्रा कार्य के अनुसार घटायी या बढ़ाई जा सकती है।
12– आपूर्ति कर्ता को भुगतान अवर अभियंता (ग्रा.अभि.वि.)/तकनीकी सहायक द्वारा सामग्री की गुढ़वत्ता प्रामाणित होने पर तथा मापन के उपरांत किया जाएगा गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर भुगतान नहीं किया जाएगा।
13– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 है, पर ही स्वीकार किया जाएगा।
14– निविदा फार्म किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से निधारित मूल्य देकर प्राप्त किया जा सकता है।
15– निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित होगा।
16– निविदा के संबंध में अन्य जानकारी सचिव ग्राम पंचायत से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

रामशंकर	कौशलेन्द्र पाल
ग्राम प्रधान	सचिव
ग्राम पंचायत–धनघटा	ग्राम पंचायत–धनघटा
विकास खण्ड–गौर जनपद बस्ती	विकास खण्ड–गौर जनपद बस्ती

गोरखपुर में भी मना भारतीय टीम की विश्व विजय का जश्न

संवाददाता–गोरखपुर। भारतीय क्रिकेट टीम ने 11 वर्षो से आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को शनिवार को खत्म कर दिया। बेहद उतार चढ़ाव भरे मैच में दर्शकों की सांसें थम गई थीं। लेकिन खिलाड़ियों ने हिम्मत नहीं हारी और हार के मुंह से वर्ल्ड कप ट्रॉफी को छीन लिया। जीत के बाद गोरखपुर में रात भर आतिशबाजी हुई और पटाखे फोड़े गए। फाइनल मैच को देखते हुए वापस बैंगलुरु जाने की फ्लाइट निरस्त करा स्पर्धा सिंह ने अपने पूरे परिवार के साथ मैच देखा और जीत के बाद सभी ने एक साथ जश्न मनाया। सुबह से ही दर्शकों में फाइनल को लेकर गजब का उत्साह था। नौकायन स्थित बोट जेट्टी, होटल कोर्टयार्ड समेत कई जगहों पर क्रिकेट प्रेमियों के देखने के लिए बड़े स्क्रीन लगाए गए थे। समूह में बैठे लोग हर ओवर के बाद लोग मैच की समीक्षा करते नजर आए। भारत के जीतने के बाद ही लोग टीवी के सामने से उठे। मैच की शुरुआत में रोहित के आउट होने के बाद दर्शकों में मायूसी छा गई। इसके बाद थोड़ी देर में पंत और सूर्यकुमार भी आउट हो गए। लेकिन विराट कोहली ने एक छोर संभाला और अक्षर ने साथ निभाया। इनके बीच एक अच्छी साझेदारी हुई जिसने फिरसे उम्मीद जगाई। अक्षर के आउट होने के बाद शिवम दुबे ने पारी को विराट के साथ आगे बढ़ाया। विराट ने अंत में कुछ अच्छे शॉट लगाकर टीम को एक अच्छे टोटल तक पहुंचाया। पहली पारी के बाद मैच काफी हद तक इंडिया के पाले में लग रहा था। दक्षिण अफ्रिका के शुरुआत में ही दो विकेट गिर गए। इससे मैच पूरी तरह भारत के पाले में आ गया। लेकिन थोड़ी देर में ही डी कॉक ने हेंड्रिक्स और क्लासेन के साथ कुछ अच्छी साझेदारी लगाकर दक्षिण अफ्रिका को मैच में वापस ला दिया। क्लासेन ने कुछ बड़े शॉट लगाकर मैच को पूरी तरह दक्षिण अफ्रिका के पाले में कर दिया। इस बीच काफी दर्शकों के चेहरे पर मायूसी छा गई। लोग टीवी के सामने से हट गए। तभी अर्शदीप ने डी कॉक को आउट कर थोड़ी राहत पहुंचाई। लेकिन क्लासेन ने एक ही ओवर में 24 रन बनाकर मैच को भारत से दूर ले गए। लगभग 15वें ओवर के बाद ज्यादातर लोगों की उम्मीद टूट गई थी कि अब एक और वर्ल्ड कप हाथ से निकल गया।

अक्षर के महंगे ओवर के बाद बुमराह ने एक किफायती ओवर डालकर मैच में थोड़ा शिकंजा कसा। इसके अगले ओवर में ही हार्दिक ने क्लासेन को आउट कर टीम की वापसी करवा दी। इस विकेट ने सभी खिलाड़ियों संग पूरे देश की जान में जान डाल दी। अगले ओवर में फिरसे बुमराह ने किफायती ओवर में एक विकेट भी निकाल लिया। अंतिम ओवर में जैसे ही सूर्या ने मिलर का कैच पकड़ा वैसे ही हर तरफ से शोर सुनाई देने लगा। लोग घरों से बाहर आकर जश्न मनाने लगे। आतिशबाजी छूटने लगी। इसके बाद तो महज औपचारिकता ही बाकी थी। जीत सुनिश्चित होने के बाद सोशल मीडिया पर बधाई का तांता लग गया। हर तरफ टीम इंडिया की जय और भारत का झंडा दिखने लगा।

आकाशीय बिजली गिरने से एक की मौत, चार घायल

संवाददाता–संतकबीरनगर। दुधारा थाना क्षेत्र के ग्राम छाता में आकाशीय बिजली गिरने से एक किशोरी की मौत मौत हो गई व चार बच्चियां घायल हो गए। पांचों बाग में आम बीनने गई थीं। उसी दौरान आकाशीय बिजली गिरने की घटना हुई। घायल बच्चों को सीएचसी में भर्ती कराया। जहां दो की हालत गंभीर होने से जिला अस्पताल रेफर कर दिया। सेमरियावां ब्लाक के छाता निवासी कुछ बच्चे दिन में करीब 11 बजे गांव के दक्षिण स्थित बाग में आम बीनने गए थे। इनमें सायमा खातून (17) पुत्री सैय्यद रजा, आसमीन (10) पुत्री जगनारायण, जाह्नवी (8) पुत्री जगनारायण, सुष्मिता राव (7) पुत्री सत्यनारायण, सुहानी कुमारी (8) पुत्री सुरेश शामिल थे। उसी दौरान तेज गरज–चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरी। सभी बच्चे इसकी चपेट में आग गए। इसके चलते सायमा खातून (17) पुत्री सैय्यद रजा की मौके पर मौत हो गई। घायल बच्चों को सीएचसी सेमरियावां में भर्ती कराया। इनमें सुहानी और सुष्मिता की हालत गंभीर होने से कैली अस्पताल रेफर कर दिया। वहां से भी दोनों को गोरखपुर रेफर कर दिया। आसमीन और जाह्नवी की हालत ठीक है। सीएचसी सेमरियावां से घर भेज दिया गया। सायमा खातून अपने ननिहाल आई थी। उसके मौत की सूचना मिली परिजन भी छाता पहुंच गए। घटना से गांव में कोहराम मचा रहा।

साथ देने की कसम के बाद प्रेमी मुकरा, डिप्रेशन में आई महिला ने खा ली नींद की 30 गोली

संवाददाता–गोरखपुर। प्रेमी के धोखेबाजी से डिप्रेशन में आई शादीशुदा महिला ने मेडिकल स्टोर पर ही नींद की 30 गोली खरीद कर खा लीं।गोलियां खाते ही महिला के कदम लड़खड़ाने लगे। महिला को लड़खड़ाता देखकर आसपास के लोगों ने उसे पकड़ा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने महिला को तुरंत बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। जिसकी हालत गंभीर बनी हुई है। महिला की आपबीती पुलिस भी हैरान हो गई महिला ने अपने प्रेमी पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। जानकारी के मुताबिक मऊ जिले के मधुबन की रहने वाली महिला की पांच साल पहले शादी हुई थी। शादी के बाद एक बच्चा हुआ। इसके बाद पति से उसका विवाद होने लगा। कुछ दिन साथ रहने के बाद दोनों अलग रहने लगे। महिला ने इसके बाद फार्मासिस्ट कोर्स की इसके बाद बीआरडी मेडिकल कॉलेज से इंटर्नशिप किया। महिला का कहना है कि पढ़ाई के दौरान महिला किराए पर मकान लेकर रहने लगी। इसी बीच एक युवक से उसका परिचय हुआ, धीरे धीरे दोनों में प्यार हो गया।महिला ने आरोप लगाया कि युवक ने महिला को सुनहरे ख्वाब दिखाकर उसे और उसके बच्चे को अपनाने का भरोसा दिलाया शादी का वादा भी किया। युवक की बातों में आकर वह और नजदीक आ गई, इस बीच दोनो के कई बार फिजिकल रिलेशन भी बने। महिला ने बताया कि युवक अक्सर उसके पास आता था और रात में उसी के साथ रुकता था। दोनों बिना शादी के पति–पत्नी की तरह रहने लगे। लेकिन उसे ये नहीं पता था कि युवक उसके साथ धोखाधड़ी कर रहा है। महिला ने पुलिस को बताया कि युवक कुछ दिन के बाद उससे दूरी बनाने लगा। युवक ने उसका नम्बर तक ब्लॉक कर दिया। आरोपित युवक द्वारा धोखा दिए जाने से नाराज होकर युवक को मिलने के लिए बुलाया लेकिन वह नहीं आया।

महिला ने पुलिस को बताया कि कुछ दिनों बाद युवक उससे दूरी बनाने लगा, इसे देख वह डिप्रेशन में आ गई।शनिवार की शाम वह राप्तीनगर के एक मेडिकल स्टोर पर पहुंची और अल्प्राजोलम की 30 गोलियां खरीदकर एक साथ निगल ली। गोलियां खाने के बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी। सड़क पर चलते समय उसके कदम लड़खड़ाने लगे। हालत बिगड़ती देख आसपास के लोगों ने शाहपुर पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद विवाहिता को पुलिस की मदद से बीआरडी मेडिकल कालेज भर्ती कराया गया। जिसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

कार्यालय ग्राम पंचायत केशवपुर विकास खण्ड- रुधौली, जनपद- बस्ती

अल्पकालीन निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **केशवपुर**, विकासखंड **रुधौली** द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना/ 15 वीं वित/स्वच्छ भारत मिशन/ SLWM/RGSA योजना अंतर्गत 2024–25 में स्वीकृत योजनाओं के अंतर्गत कराए जाने वाले कार्यो में प्रयोग हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु (इंटरलॉकिंग इंट, प्रथम श्रेणी इंट, सीमेंट, सादा बालू, मोरंग, इंट की गिट्टी, पत्थर की गिले, छाड पेट, बोर्ड होम पाइप, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, सफाई ठेला कुदाल, झाड़ू, ब्लीचिंग पावडर चूना, कूड़ादान, सेनेटाइजर मशीन, फागिंग मशीन, इंडिया मार्का टू हैड पंप, रिबोर व मरम्मत की सामग्री एवं अन्य सरकारी निर्माण में प्रयुक्त सामग्री आदि) की आवश्यकता है। जिसके हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्ति कर्ता द्वारा दिनांक 01–07–2024 से दिनांक 06–07–2024 को 12:00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा फॉर्म वांछित प्रपत्र बंद लिफाफे में कार्यालय/स्थान ग्राम पंचायत **केशवपुर,** में रखे गए निविदा बॉक्स में डाली जायेगी। निविदा दिनांक 09–07–2024 को अपरान्ह 02:30 बजे निविदा दाताओं के समक्ष खोला जाएगा।

नियम व शर्तें

1– अधिकृत फर्म अधिकृत डीलर का जी0एस0टी0 में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा 3 वर्ष कर आयकर क्लीयरेंस सलग्न करना अनिवार्य है।
2– जो दरें प्रस्तुत की जाए व जीएसटी तथा कार्टेज चार्ज जोड़कर प्रस्तुत की जाए।
3–आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति पर 2 फीसदी आयकर टीडीएस देना होगा। प्रस्तुत दरें पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा पीडब्ल्यूडी के समय अनुसार तय दर पर ही भुगतान किया जाएगा।
5– ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान/अवर अभियंता के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं कि जाएगी।
6– धरोहर की धनराशि मु. 5000 (पांच हजार) है।
7– धरोहर की राशि राष्ट्रीय कृत बैंकों एडीआर एन एससी/नगर एवं डाकघर में बचत पत्र जो ग्राम पंचायत **केशवपुर,** के नाम बंधक हो, की मूल प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
8– निविदा स्वीकृत होने के उपरांत सचिव एवं ग्राम पंचायत द्वारा आदेश देने पर ही सामग्री की आपूर्ति की जाएगी।
9– आदेश देने के 7 दिनों के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर की धनराशि जब्त कर ली जायेगी।
10– सामग्री की आपूर्ति स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी।
11– सामग्री की मात्रा कार्य के अनुसार घटायी या बढ़ाई जा सकती है।
12– आपूर्ति कर्ता को भुगतान अवर अभियंता (ग्रा.अभि.वि.)/तकनीकी सहायक द्वारा सामग्री की गुढ़वत्ता प्रामाणित होने पर तथा मापन के उपरांत किया जाएगा गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर भुगतान नहीं किया जाएगा।
13– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 है, पर ही स्वीकार किया जाएगा।
14– निविदा फार्म किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से निधारित मूल्य देकर प्राप्त किया जा सकता है।
15– निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित होगा।
16– निविदा के संबंध में अन्य जानकारी सचिव ग्राम पंचायत से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

पंचमराम	जयकेश कुमार राव
ग्राम प्रधान	सचिव
ग्राम पंचायत–केशवपुर	ग्राम पंचायत–केशवपुर
विकास खण्ड–रुधौली जनपद बस्ती	विकास खण्ड–रुधौली जनपद बस्ती

सड़कों पर 'मल–मूत्र' बहता देख भड़के सपा सांसद अवधेश प्रसाद

संवाददाता–अयोध्या। सपा सांसद अवधेश प्रसाद अयोध्या में नवनिर्मित रामपथ के जगह–जगह धंसने से बेहद नाराज हैं। रविवार को उन्होंने सहादतगंज से अयोध्या तक रामपथ का निरीक्षण किया। उन्होंने सवाल उठाया कि रामपथ के निर्माण के दौरान जब उच्च स्तरीय समीक्षा हो रही थी तो गड़बड़ी कैसे हो गई। सांसद ने कहा कि रामपथ के निर्माण में लापरवाही और सरकारी धन का बंदरबांट किया गया है। उन्होंने कहा कि उच्च स्तरीय जांच कराकर रिपोर्ट के आधार पर जिम्मेदारी तय करके दोषियों पर कार्रवाई हो। उन्होंने यह भी ऐलान किया कि रामपथ के धंसने के मामले को संसद में उठाएंगे।

सिविल लाइन स्थित एक होटल में पत्रकारों से बातचीत करते हुए अवधेश प्रसाद ने कहा कि रामपथ और श्रीराम अस्पताल का हाल बुरा है। प्रभु श्रीराम के नाम को पूरी दुनिया में बदनाम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अयोध्या के विकास का डंका पूरे विश्व में बज रहा है, लेकिन हकीकत उससे परे है। सांसद ने लोकसभा में डिप्टी स्पीकर बनने की अटकलों पर कहा कि यदि ऐसा हुआ तो भी मैं जनता के बीच में ही रहूंगा। उन्होंने मिल्कीपुर विधानसभा के उपचुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि सपा रिकॉर्ड मतों से जीतेगी और इतिहास बनेगा।

गौरतलब है कि पहली ही बारिश में नवनिर्मित रामपथ जगह–जगह धंस गया है। 22 जून से 25 जून तक अयोध्या में हुई बारिश के कारण राम पथ की चौनेज 3.00 से 3.800 के बीच कराए गए निर्माण कार्य की सतह उखड़ गई। हाल में ही बनाए गए इस मार्ग के इतने कम समय में क्षतिग्रस्त हो जाने से सरकार के प्रति जनता के बीच खराब संदेश गया है। सरकार ने भी इसे गंभीरता से लिया है।

शुक्रवार को अधिशासी अभियंता निर्माण खंड–तीन अयोध्या ध्रुव अग्रवाल, सहायक अभियंता अनुज देशवाल तथा अवर अभियंता प्रभात पांडेय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। प्रमुख सचिव पीडब्ल्यूडी अजय चौहान ने बताया है कि मुख्य अभियंता मध्य क्षेत्र को इस मामले में जांच अधिकारी बनाया गया है। अधिशासी अभियंता अयोध्या को जांच रिपोर्ट प्रस्तुतकर्ता अधिकारी नामित किया गया है।

हीट वेव से जान गंवाने वाले दो लोगों के परिजनों को मिली आर्थिक सहायता

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में पिछले दिनों जनपद में भीषण गर्मी और हीटवेव में मृत हुए दो व्यक्तियों के परिजनों को जिलाधिकारी ने आर्थिक सहायता प्रदान की। बजट न होने के कारण मामले की गम्भीरता को देखते हुए जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर ने नियम टीआर 27 के तहत ट्रेजरी से ऋणात्मक आहरण करते हुए दोनों मृतकों के परिवार को चार–चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की। जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर ने बताया कि 16 जून को धनघटा तहसील क्षेत्र के रोसया निवासी ग्रीश चन्द्र गुप्ता पुत्र दयाराम और लोहारडांडी निवासी धर्मेन्द्र चौधरी पुत्र रंगीलाल की मौत हो गई थी। तहसील प्रशासन से इसकी रिपोर्ट मिलने के बाद तत्काल इन परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की। डीएम ने मृतक ग्रीश चन्द्र गुप्ता की पत्नी मंजू देवी को चार लाख रुपए आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। वहीं धर्मेन्द्र चौधरी की पत्नी पानमती, पुत्र आदर्श और अजीत को बराबर–बराबर आर्थिक सहायता की धनराशि का प्रदान किया गया।

कार्यालय ग्राम पंचायत गोठवा विकास खण्ड- रुधौली, जनपद- बस्ती

अल्पकालीन निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **गोठवा**, विकासखंड **रुधौली** द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना/ 15 वीं वित/स्वच्छ भारत मिशन/ SLWM/RGSA योजना अंतर्गत 2024–25 में स्वीकृत योजनाओं के अंतर्गत कराए जाने वाले कार्यो में प्रयोग हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु (इंटरलॉकिंग इंट, प्रथम श्रेणी इंट, सीमेंट, सादा बालू, मोरंग, इंट की गिट्टी, पत्थर की गिले, छाड पेट, बोर्ड होम पाइप, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, सफाई ठेला कुदाल, झाड़ू, ब्लीचिंग पावडर चूना, कूड़ादान, सेनेटाइजर मशीन, फागिंग मशीन, इंडिया मार्का टू हैड पंप, रिबोर व मरम्मत की सामग्री एवं अन्य सरकारी निर्माण में प्रयुक्त सामग्री आदि) की आवश्यकता है। जिसके हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्ति कर्ता द्वारा दिनांक 01–07–2024 से दिनांक 06–07–2024 को 12:00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा फॉर्म वांछित प्रपत्र बंद लिफाफे में कार्यालय/स्थान ग्राम पंचायत **गोठवा,** में रखे गए निविदा बॉक्स में डाली जायेगी। निविदा दिनांक 08–07–2024 को अपरान्ह 02:30 बजे निविदा दाताओं के समक्ष खोला जाएगा।

नियम व शर्तें

1– अधिकृत फर्म अधिकृत डीलर का जी0एस0टी0 में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा 3 वर्ष कर आयकर क्लीयरेंस सलग्न करना अनिवार्य है।
2– जो दरें प्रस्तुत की जाए व जीएसटी तथा कार्टेज चार्ज जोड़कर प्रस्तुत की जाए।
3–आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति पर 2 फीसदी आयकर टीडीएस देना होगा। प्रस्तुत दरें पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा पीडब्ल्यूडी के समय अनुसार तय दर पर ही भुगतान किया जाएगा।
5– ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान/अवर अभियंता के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं कि जाएगी।
6– धरोहर की धनराशि मु. 5000 (पांच हजार) है।
7– धरोहर की राशि राष्ट्रीय कृत बैंकों एडीआर एन एससी/नगर एवं डाकघर में बचत पत्र जो ग्राम पंचायत **गोठवा,** के नाम बंधक हो, की मूल प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
8– निविदा स्वीकृत होने के उपरांत सचिव एवं ग्राम पंचायत द्वारा आदेश देने पर ही सामग्री की आपूर्ति की जाएगी।
9– आदेश देने के 7 दिनों के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर की धनराशि जब्त कर ली जायेगी।
10– सामग्री की आपूर्ति स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी।
11– सामग्री की मात्रा कार्य के अनुसार घटायी या बढ़ाई जा सकती है।
12– आपूर्ति कर्ता को भुगतान अवर अभियंता (ग्रा.अभि.वि.)/तकनीकी सहायक द्वारा सामग्री की गुढ़वत्ता प्रामाणित होने पर तथा मापन के उपरांत किया जाएगा गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर भुगतान नहीं किया जाएगा।
13– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 है, पर ही स्वीकार किया जाएगा।
14– निविदा फार्म किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से निधारित मूल्य देकर प्राप्त किया जा सकता है।
15– निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित होगा।
16– निविदा के संबंध में अन्य जानकारी सचिव ग्राम पंचायत से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

श्रीमती सुशीला देवी	जयकेश कुमार राव
ग्राम प्रधान	सचिव
ग्राम पंचायत–गोठवा	ग्राम पंचायत–गोठवा
विकास खण्ड–रुधौली जनपद बस्ती	विकास खण्ड–रुधौली जनपद बस्ती

26 करोड़ से बदलेगी लालडिग्गी पार्क की सूरत

संवाददाता–गोरखपुर। 10 एकड़ में फैले लालडिग्गी स्थित पंडित जवाहर लाल नेहरू पार्क को नगर निगम रामगढ़झील के बाद शहर का दूसरा सबसे आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करेगा।

इस पर 26 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं प्रमुख सचिव के समक्ष प्रस्तुतिकरण के बाद डिजाइन में कुछ परिवर्तन के साथ लागत कम करने पर विचार चल रहा है। पंडित जवाहर लाल नेहरू पार्क को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए नगर निगम ने राज्य स्मार्ट सिटी परियोजना में फिलहाल 26 करोड़ का प्रस्ताव बनाया है। पार्क में टिकट और अन्य स्त्रोत से नगर निगम आय भी अर्जित करेगा। इसके पूर्व दिसंबर 2023 में पीपीपी मोड पर 10 करोड़ की परियोजना बनी थी, ई–निविदा आमंत्रित हुई लेकिन परियोजना सिरे नहीं चढ़ी। नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने कहा कि पिछले दिनों पार्क के सौंदर्यीकरण एवं पर्यटन विकास के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष प्रस्तुतिकरण किया गया था। मुख्य अभियंता संजय चौहान ने प्रमुख सचिव नगर विकास के समक्ष प्रस्तुतिकरण दिया था। मिले सुझाव के आधार पर कुछ संशोधन के साथ परियोजना की लागत कम करने पर विचार चल रहा है। नगर निगम ने दिल्ली के कर्तव्य पथ की डिजाइन बनाने वाली आर्किटेक्ट फर्म से पार्क को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए डिजाइन तैयार करने का जिम्मा सौंपा है।

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com